AMBIKAPUR GG PAPER 14 JUNE 2025_Layout 2 6/13/2025 11:33 PM Page 1

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 222 शनिवार 14 जून 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

एअर इंडिया प्लेन क्रैश पर सुप्रीम कोर्ट में अर्जी

एयर इंडिया के सभी बोईंग ड्रीमलाईनर विमानों की जांच का बड़ा फैसला

» डीजीसीए ने उड़ान से पहले कई अहम तकनीकी जांचों का दिया निर्देश ...

» हादसे को लेकर दो डॉक्टरों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक पत्र याचिका की गई है दायर...

नई दिल्ली,13 जून 2025 (ए)। भारत के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने बोइंग के सभी ड्रीमलाइनर विमानों की बेड़े पर सुरक्षा जांच को सख्त कर दिया है। ये फैसला अहमदाबाद में एअर इंडिया की लंदन जा रही फ्लाइट एआई-171 के भयावह हादसे के बाद लिया गया है। डीजीसीए ने एअर इंडिया को आदेश दिया है कि वह 15 जून 2025 की मध्यरात्रि (00:00 बजे) से भारत से उड़ान भरने से पहले एक बार की विशेष जांच प्रक्रिया को अनिवार्य रूप से लागू करे।

डीजीसीए ने उड़ान से पहले कई अहम तकनीकी जांचों का निर्देश दिया है,जिसमें फ्यूल पैरामीटर मॉनिटरिंग,कैबिन एयर कंप्रेसर सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक इंजन कंट्रोल टेस्ट,इंजन फ्यूल एक्टुएटर ऑपरेशन,ऑयल सिस्टम और हाइड्रोलिक सिस्टम की सेवा जांच शामिल है।इसके साथ ही टेकऑफ से पहले के पैरामीटर्स की समुचित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अलावा डीजीसीए ने आदेश दिया है कि 'फ्लाइट कंट्रोल इंस्पेक्शन' को ट्रांजिट निरीक्षण में जोड़ा जाए और यह प्रक्रिया अगले आदेश तक जारी रखी जाए। साथ ही दो सप्ताह के भीतर पावर एश्योरेंस चेक्स कराना भी अनिवार्य किया गया है। साथ ही पिछले 15 दिनों में बोइंग ड्रीमलाइनर विमानों में सामने आए रिपिटिटिव तकनीकी खराबियों की समीक्षा करने और उनसे जुड़े सभी मेंटेनेंस कार्यों को जल्द से जल्द निपटाने के आदेश भी दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक डीजीसीए का यह कदम एयर इंडिया की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से उठाया गया है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके और यात्रियों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

सुप्रीम कोर्ट में अर्जी

अहमदाबाद में 12 जून 2025 को हुए एअर इंडिया फ्लाइट एआई-171 हादसे को लेकर दो डॉक्टरों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक पत्र याचिका दायर की गई है। याचिका में अदालत से तत्काल स्वतः संज्ञान लेने और केंद्र सरकार को पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने के निर्देश देने की अपील की गई है। इस याचिका में मांग की गई है कि सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार को निर्देश दे कि वह मृतकों के परिजनों (जिसमें बीजे मेडिकल कॉलेज,अहमदाबाद के रेजिडेंट डॉक्टर भी शामिल हैं) को प्रत्येक को ₹50 लाख का अंतरिम मुआवजा तत्काल घोषित कर वितरित करे। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया है कि केंद्र सरकार एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन करे,जिसमें सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश, विमानन विशेषज्ञ,अर्थशास्त्री और बीमा विशेषज्ञ शामिल हों। यह समिति पीड़ित परिवारों को अंतिम मुआवजे का निर्धारण त्रिवेणी कोडकैनी बनाम एअर इंडिया लिमिटेड मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्थापित सिद्धांतों के अनुसार करे।

विमान का ब्लैक बॉक्स मिला,हादसे का असली कारण अब आएगा सामने

अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल से एयर इंडिया विमान का एक ब्लैक बॉक्स बरामद किया गया है। इसके विश्लेषण से ही हादसे की वजहों के बारे में सुराग मिलेंगे। ब्लैक बॉक्स एक छोटा उपकरण होता है जो उड़ान के दौरान

विमान की गतिविधियों के बारे में जानकारी रिकॉर्ड करता है। यह विमानन दुर्घटनाओं की जांच में मदद करता है। विमान हादसे के बारे में कॉमर्शियल पायलट अरिंदम दत्ता कहते हैं कि हादसे की वजह के बारे में सटीक जानकारी विमान के पिछले हिस्से में मौजूद ब्लैक बॉक्स के बरामद होने और उसकी जांच के बाद ही पता चल पाएगी।

एयर इंडिया विमान हादसे वाली जगह पर पहुंचे पीएम मोदी

अहमदाबाद,13 जून 2025 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद में एयर इंडिया के प्लेन क्रैश साइट पर पहुंचे।। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री मोदी अहमदाबाद में एक समीक्षा बैठक भी करेंगे। दूसरी ओर घटना स्थल पर स्निफर डॉग्स का स्क्वाड बुला लिया गया है। यहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। हादसे की जगह को पूरी तरह से सील कर दिया गया है। पुलिस के साथ-साथ एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर मौजूद है। गुरुवार को पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में, मेरी संवेदनाएं इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।

घटना स्थल पर मौजूद एक एनडीआरएफ जवान ने बताया, अभी स्थिति सामान्य है। जो लोग बाहर मलबा गिरने के बाद जल गए थे, उन्हें निकाल लिया गया है। अब बाकी की तलाशी इमारत के अंदर की जाएगी। बाहर कोई नहीं बचा है। बाहर तलाशी अभियान कल से ही चल रहा था और सभी को वहां से निकाल लिया गया है।

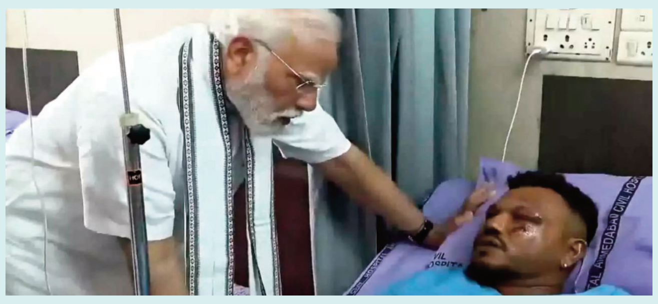

241 की मौत एक जिंदा बचा,पीएम मोदी उसी से मिले

अहमदाबाद,13 जून 2025 (ए)। एअर इंडिया विमान हादसे में बचे यात्री विश्वास कुमार रमेश से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिविल अस्पताल में मुलाकात की है। प्रधानमंत्री ने रमेश का हालचाल जाना है। अहमदाबाद में गुरुवार दोपहर एअर इंडिया का बोइंग 787 ड्रीमलाइनर प्लेन क्रैश हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है। प्लेन की सीट नंबर 11ए पर बैठे हुए भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक रमेश विश्वास कुमार हादसे में जिंदा बच गए हैं। उनका वीडियो भी सामने आया है। एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-171 अहमदाबाद से लंदन जा रही थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात शामिल हैं। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

महत्वपूर्ण खबर

अरुणाचल के भाजपा विधायक को 2 साल जेल की सजा

नई दिल्ली,13 जून 2025 (ए)। पंजाब के मोहाली की एक अदालत ने चेक बाउंस मामले में पापुम पारे जिले के सागली विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रायतु तेजी, उनकी पत्नी और दो

अन्य सहयोगियों को दो साल जेल की सजा सुनाई है। इसके अलावा एक माह के भीतर 5.5 करोड़ रुपये का मुआवजा देने का आदेश भी दिया गया है। यह मामला लगभग साढ़े चार साल से अदालत में चल रहा है। वकील ने इसे अपने लिए बड़ी जीत बताया। यह मामला जीटीसी एम ट्रेड्स एलएलपी से खरीदी गई निर्माण सामग्री के लिए जारी किए गए 50 लाख रुपये के चेक के बाउंस होने से संबंधित है।

10 हजार का रिश्वत लेते बाबू गिरफ्तार

भोपाल,13 जून 2025 (ए)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी सख्त कार्रवाई जारी रखते हुए भोपाल विकास प्राधिकरण (बीडीए) के बाबू सहाबुद्दीन को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई एक शिकायतकर्ता घनश्याम राठौर की सूचना के आधार पर की गई, जिसने बाबू के भ्रष्टाचार की पोल खोली। लोकायुक्त पुलिस को मिली शिकायत में घनश्याम राठौर ने बताया कि बीडीए में कार्यरत बाबू सहाबुद्दीन ने उनके कार्य को पूरा करने के बदले 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायत की पुष्टि के बाद लोकायुक्त की विशेष टीम ने एक सुनियोजित ऑपरेशन के तहत सहाबुद्दीन को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों धर दबोचा। यह कार्रवाई उस समय हुई जब बाबू रिश्वत की रकम स्वीकार कर रहा था।

कमल कौर भाभी हत्या मामले में तीन सिख युवक गिरफ्तार

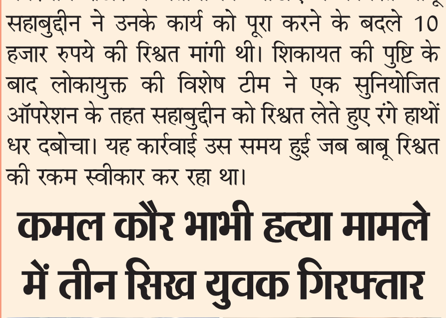

नई दिल्ली,13 जून 2025 (ए)। पंजाब के बठिंडा में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन सिख युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कमल कौर द्वारा सोशल मीडिया पर अश्लील वीडियो पोस्ट करने के विवाद के चलते उनकी हत्या की।

पहली कार से लेकर स्कूटर तक का नंबर 1206, विजय रूपाणी के लिए लकी नंबर ही बना अनलकी

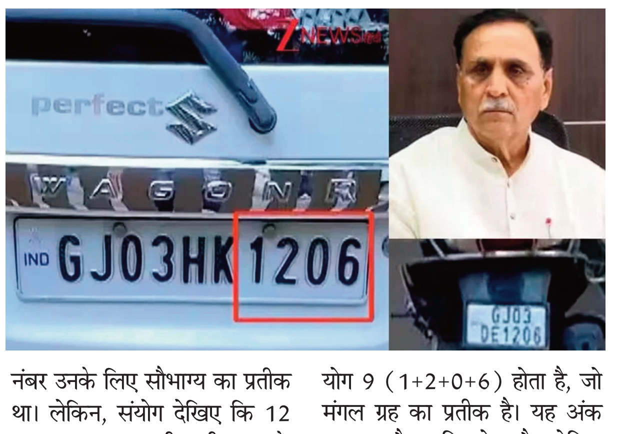

नई दिल्ली,13 जून 2025 (ए)। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान हादसे में निधन हो गया। इस भीषण हादसे में विमान में सवार 241 लोगों की जान चली गई। रूपाणी अपनी पत्नी अंजलि और बेटी से मिलने ब्रिटेन जा रहे थे। इस हादसे ने उनके जीवन से जुड़े एक अजीब संयोग को भी उजागर किया, जो उनके लकी नंबर 1206 से संबंधित है।

1206: शुभ से अशुभ तक का सफर

विजय रूपाणी के लिए 1206 कोई साधारण नंबर नहीं था। उनकी पहली कार, स्कूटर और अन्य वाहनों की नंबर प्लेट पर हमेशा 1206 अंकित था। उनके करीबी बताते हैं कि यह नंबर उनके लिए सौभाग्य का प्रतीक था। लेकिन, संयोग देखिए कि 12 जून (12/06) की तारीख उनके जीवन का अंतिम दिन बन गई। इस दिन वे दोपहर 12 बजे हवाई अड्डे पर पहुंचे और उनकी सीट नंबर भी 12 थी। इस तरह उनका सबसे शुभ नंबर उनके लिए अभिशाप बन गया। अंकशास्त्र के अनुसार, 1206 का योग 9 (1+2+0+6) होता है, जो मंगल ग्रह का प्रतीक है। यह अंक साहस और शक्ति देता है, लेकिन नकारात्मक रूप से दुर्घटना या मृत्यु का संकेत भी हो सकता है।

हादसे का भयावह मंजर

12 जून को अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद एयर इंडिया का विमान ऊंचाई खो बैठा और बी.जे. मेडिकल कॉलेज की मेस बिल्डिंग से टकरा गया। इसके बाद पास के अतुल्यम हॉस्टल को भी चपेट में ले लिया, जहां सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर रहते थे। टक्कर के साथ ही दोनों इमारतों में आग लग गई, जिससे कई लोग घायल हो गए।

परिवार और पार्टी में शोक

रूपाणी के निधन से उनके परिवार और भाजपा में शोक की लहर है। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने बताया कि रूपाणी पंजाब के पार्टी प्रभारी थे और लुधियाना पश्चिम उपचुनाव के लिए उन्होंने अपनी ब्रिटेन यात्रा स्थगित की थी। उनके निधन ने एक अपूरणीय क्षति पहुंचाई है।

थाइलैंड में एयर इंडिया की फ्लाईट को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली,13 जून 2025 (ए)। थाइलैंड के फुकेट में एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है. जानकारी के मुताबिक इस फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है. यह फ्लाइट फुकेट से नई दिल्ली आ रही थी. शुक्रवार के बम की धमकी मिलने के बाद यह लैंडिंग कराई गई. फुकेट एयरपोर्ट के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि इमरजेंसी लैंडिंग के बाद यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा है.

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर टाटा ग्रूप का ऐलान

» मृतक के परिवार को 1 करोड़ का मुआवजा,

» इलाज का खर्च भी उठाएंगे

अहमदाबाद 13 जून 2025 (ए)। गुजरात के अहमदाबाद में आज गुरुवार को एयर इंडिया का विमान हादसे का शिकार हो गया है। इसमें पायलट, क्रू मेंबर सहित 242 यात्रियों की मौत हो गई। एयर इंडिया विमान टाटा ग्रूप का है। अब टाटा समूह ने मृतक के परिवार वालों और घायलों के साथ ही बीजे मेडिकल के हॉस्टल की मदद करने का ऐलान किया है। टाटा समूह ने एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि इस त्रासदी में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिवारों को 1 करोड़ रुपए की सहायता राशि देगा। हम घायलों के चिकित्सा व्यय को भी वहन करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें सभी आवश्यक देखभाल और सहायता मिले। इसके अतिरिक्त, हम बीजे मेडिकल के छात्रावास के निर्माण में सहायता प्रदान करेंगे। इस मुआवजे की घोषणा टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के हवाले से की गई है।

बिस्तर से बरामद हुए 500 के जाली नोट

रांची,13 जून 2025 (ए)। रांची के लोअर बाजार थाना क्षेत्र में पुलिस ने जाली नोटों के एक बड़े कारोबार का भंडाफोड़ करते हुए एक पूर्व सैनिक सुभाष प्रसाद को गिरफ्तार किया है। उसके कालीनगर, थाना नामकुम स्थित घर से 500 रुपये के 37 जाली नोट बरामद किए गए हैं। इस मामले में पुलिस ने एक स्थानीय दुकानदार की शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू की, जिसने जाली नोटों के साथ एक संदिग्ध सौदे की जानकारी दी। मामला तब सामने आया जब सुधा कॉम्प्लेक्स में मोबाइल दुकान चलाने वाले जमाल ने पुलिस को सूचना दी कि एक युवक, किशोर, ने उनकी दुकान से 3500 रुपये का मोबाइल खरीदा और भुगतान के लिए 500 रुपये के सात जाली नोट दिए। जांच करने पर

जमाल ने पाया कि नोट नकली थे और कई नोटों का सीरियल नंबर एक ही था। जमाल ने तुरंत अन्य दुकानदारों को सूचित किया और किशोर से पूछताछ की। किशोर ने खुलासा किया कि उसके पिता, सुभाष प्रसाद, के पास उनके घर में और भी जाली नोट रखे हैं।

डीआईजी सह एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने किशोर की निशानदेही पर सुभाष प्रसाद के कालीनगर स्थित घर पर छापा मारा। तलाशी के दौरान सुभाष के बिस्तर के नीचे से 500 रुपये के 29 जाली नोट बरामद हुए। इन नोटों में भी कई का सीरियल नंबर एक ही था, जो उनकी नकली होने की पुष्टि करता है। पुलिस ने सुभाष प्रसाद को हिरासत में ले लिया और जाली नोटों के स्रोत व नेटवर्क के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है।

एक्स आर्मी मैन का चौंकाने वाला खुलासा

सुभाष प्रसाद, जो एक पूर्व सैनिक हैं और वर्तमान में बोरिंग का काम करते हैं, ने पुलिस को बताया कि वह गया जा रहे थे। इस दौरान ट्रेन में शराब की छापेमारी के समय उनके पास बैठे कुछ लोग बैग छोड़कर भाग गए। सुभाष का दावा है कि जाली नोट उसी बैग में थे। हालांकि, पुलिस इस दावे की सत्यता की जांच कर रही है और इस बात की पड़ताल कर रही है कि सुभाष इस जाली नोट रैकेट में कितनी गहराई तक शामिल हैं।

सोनम नहीं,राज कुशवाहा है राजा रघुवंशी हत्याकांड का मास्टरमाइंड

एक नहीं 4 बार रची गई थी साजिश

शिलांग,13 जून 2025 (ए)। सोनम रघुवंशी समेत राजा रघुवंशी मर्डर केस के सभी आरोपी पुलिस रिमांड पर हैं। पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे नए खुलासे हो रहे हैं। आरोपियों की पूछताछ और पुलिस की जांच में सबसे बड़ा अपडेट यह निकलकर आया है कि राजा रघुवंशी हत्याकांड की मास्टरमाइंड सोनम नहीं बल्कि उसका कथित प्रेमी राज कुशवाहा है। राज ने साजिश रची और सोनम ने उसका साथ दिया।जानकारी के अनुसार, फरवरी में राज ने सोनम को गायब करने का प्लान बनाया था। फरवरी में पहला प्लान था की सोनम को नदी में बहा देते। दूसरा प्लान था, किसी महिला का शव अरेंज करके सोनम की स्कूटी के साथ जला देते ताकि सबको लगता की सोनम मर गई, लेकिन ये दोनों प्लान फरवरी में कामयाब नहीं हो पाए। इसी दौरान 11 मई को सोनम की शादी राजा रघुवंशी से हो गयी। शादी के बाद सोनम और राजा कामाख्या देवी मंदिर दर्शन करने गए। 19 मई को राज के तीनों दोस्त विशाल, आनंद और आकाश पहले से ही गुवाहाटी आ गए थे। गुवाहाटी में ही पहले राजा को मारने का प्लान था लेकिम वो प्लान भी कामयाब नहीं हो पाया। गुवाहाटी वाला प्लान भी सफल नहीं हुआ। तब सोनम ने सोहरा में राजा की हत्या का प्लान बनाया। सोहरा में ये सब सोनम से मिले, पार्किंग में मुलाकात हुई। तीनों ने राजा की हत्या की और शव को खाई में फेंक दिया। सोनम वहीं मौजूद थी। इसके बाद ये लोग दोपहर 2-18 पर स्पॉट से निकल गए। हत्यारों का सोनम ने दिया था साथसोनम ने अपना रेनकोट आकाश को दिया, क्योंकि आकाश की शर्ट पर खून लग गया था। एक स्कूटी सोनम खुद चला कर निकली। V पॉइंट पर सोनम का रेनकोट फेक दिया गया। जांच में सामने आया की आकाश की शर्ट पर खून के धब्बे थे। रेनकोट फेंकने के बाद आकाश स्कूटी चलाने लगा और सोनम आकाश के पीछे बैठ गयी।

जो स्कूटी राजा ने किराए पर ली थी वो स्कूटी आनंद स्पॉट से लेकर निकला और सोहरा बॉर्डर के पास स्कूटी छोड़ दी। टैक्सी स्टैंड से सोनम ने टेक्सी बुक की, सोनम ने बुरखा पहना जो राज में विशाल के हाथों भिजवाया था। राज के कहने पर सोनम ने भाई को किया था फोनसोनम टैक्सी से गुवाहाटी पहुंची और वहां से बस पकड़ कर सिलीगुड़ी पहुंची,फिर बस से पटना,पटना से आरा,आरा से ट्रेन से लखनऊ गयी और वहां से बस पकड़ कर इंदौर चली गयी। जब आरोपियों को पता चला पुलिस ने उनकी पहचान कर ली है तो राज ने सोनम को इंदौर छोडने को कहा। जब पुलिस टीम रेड कर रही थी और एक आरोपी को पुलिस ने हिरासत में लिया राज को इसकी भनक लग गयी थी।

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

घटती घटना

लेख एवं विचार अभिव्यक्ति

अम्बिकापुर, शनिवार 14 जून 2025

संपादकीय

अनुभवी पायलट से चूक होना या विधाता की देन

25,000 घंटे के बी 777 कैप्टन यहाँ हैं। यह पायलट की गलती हो सकती है। लैंडिंग गियर के बजाय टेकऑफ़ के बाद फ्लैप्स को ऊपर उठाना मेरा सिद्धांत है और यह बताता है कि गियर पूरी तरह से नीचे क्यों रहा। दुर्घटना की तस्वीरों में एल/ई स्लैट्स ज़मीन पर फैले हुए दिखाई देते हैं, जबकि टी/ई फ्लैप्स थोड़े या बिलकुल भी नहीं फैले हुए हैं। यह टी/ओ कॉन्फ़िगिरेशन नहीं हो सकता है, और साबित करता है कि टी/ओ के बाद फ्लैप्स को ऊपर उठाया गया था। पावर कर्व के पीछे की गति से फ्लैप्स को ऊपर उठाना उड़ान भरने वाले पायलट को पावर के नुकसान जैसा महसूस होगा, इसलिए मेडे लॉस्ट पावर रेडियो कॉल। अगर सच है, तो एफडीआर पुष्टि करेगा। यह कहना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन यह मुझे नॉर्थवेस्ट फ़्लाइट 255 की याद दिलाता है जो अगस्त 1987 में टेकऑफ़ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। उन्हें पता चला कि फ्लैप्स सही तरीके से सेट नहीं किए गए थे। एक छोटी लड़की को छोड़कर सभी की मौत हो गई। अजीब बात है कि इस लड़ाई में एक जीवित व्यक्ति है, क्योंकि आधुनिक विमान में फ्लैप्स को तैनात करना महत्वपूर्ण है, और मुझे कोई फ्लैप नहीं दिखाई देता। इससे ऐसी दर्दनाक यादें ताज़ा हो जाती हैं। फ्लैप खोलने में विफलता तब हुई जब नॉर्थवेस्ट एयरलाइंस की फ्लाइट 255 16 अगस्त 1987 को डीटीडब्ल्यू में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। आधुनिक विमान के साथ ऐसा फिर से कैसे हो सकता है? यह मेरा व्यक्तिगत विचार नहीं है, विमानन उद्योग के विशेषज्ञ और कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में कप्तान पायलट पर इस प्रकार की तकनीकी टिप्पणी है। इस घटना ने, काफी हद तक, विमानों में सुरक्षा के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित किया है। बोइंग पर बहुत अधिक जांच की जा रही है। यह 787 ड्रीमलाइनर की पहली दर्ज दुर्घटना हो सकती है, लेकिन हाल के दिनों में कंपनी संदेह के घेरे में आ गई है। अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन को बोइंग इंजीनियर से मुखबिर बने एक व्यक्ति ने बताया कि कंपनी ने अपने 787 ड्रीमलाइनर जेट विमानों के निर्माण में संदिग्ध शॉर्टकट अपनाए हैं,जिससे जोखिम बढ़ गया है। यह आकलन करना भी शिक्षाप्रद होगा कि भारतीय एयरलाइंस सुरक्षा पैरामीटर पर कैसा प्रदर्शन कर रही हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इस साल की दुनिया की सबसे सुरक्षित एयरलाइंस सूची में कोई भी भारतीय एयरलाइन शामिल नहीं है, यह एयरलाइन रेटिंग्स द्वारा किया गया एक आकलन है, जिसमें पिछले दो वर्षों में गंभीर घटनाओं, नियामक ऑडिट का पालन,बेड़े की आयु और आकार, पायलट प्रशिक्षण के मानक,घातक दुर्घटनाएं,एयरलाइनों की वित्तीय सेहत आदि जैसे महत्वपूर्ण कारकों पर विचार किया जाता है।

बोइंग विमान हादसाःडरावना ब्लैक थर्सडे

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

» लील गया कई जीवन की सांसे

» नमन ,श्रद्धांजलि, ऊँ शांति ऊँ

बोइंग 787-8 ड्रीम लाइनर विमान के पायलट ने अहमदाबाद के वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से उड़ने से 15 सेकंड बाद उड़ते विमान का सबसे खतरनाक संदेश मेडे-मेडे-मेडे एयर ट्रैफिक कंट्रोल अहमदाबाद एयरपोर्ट को भेजा था और तब ट्रैफिक कंट्रोल के संचालकों को यह मौका भी नहीं मिला कि वे इस फ्रांसीसी शब्द के मतलब विमान को खतरा के संकेत के बाद कोई सुरक्षा व्यवस्था कर पाते,इतनी ही देर में विमान मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में गिरकर आग का गोला बनकर तबाह हो गया और 230 यात्रियों और 12 विमान के क्रू मेंबर सहित काल के गाल में समा गये लेकिन ईश्वर की कृपा से एक यात्री रमेश विश्वास कुमार सकुशल बच गया। यह जीवित व्यक्ति खुद चलते हुए आपातकालीन रक्षक स्क्वाड के पास आया उसे तुरंत चिकित्सीय व्यवस्था करवाई गई,रमेश विश्वास कुमार भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक हैं। वे अपने भाई नीरज के साथ परिवारजनों से मिलने भारत आए हुए थे पर ईश्वर की लीला देखिए रमेश विश्वास कुमार तो अब कुशल जीवित हैं पर उनके भाई अब इस दुनिया में नहीं रहे वे विमान हादसे के शिकार हो गए।

इसी तरह जैसा की गुजरात के बीजेपी अध्यक्ष पाटिल जी ने इस बात की पुष्टि की है कि गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी इस विमान हादसे में दिवंगत हो गए हैं वे अपनी पत्नी को लाने लंदन जा रहे थे। विमान का संचालन पायलट सुमित सभरवाल कर रहे थे जिन्हें 8200 घंटे विमान उड़ाने का दीर्घ अनुभव था साथ में को पायलट ऑफिसर लाइव सुंदर भी थे जिन्हें 1100 घंटे विमान उड़ाने का भी अनुभव प्राप्त था दोनों पायलट इस विमान हादसे में काल-कवलित हो गए। इस विमान में 169 भारतीय 53 ब्रिटिश 7 पुर्तगाली और एक कनाडा का नागरिक भी था इनमें से रमेश विश्वास कुमार के अलावा किसी को यह कल्पना भी नहीं थी कि उनकी जिंदगी की अनमोल सांसें 60 सेकंड में रुक जाएगी और वे सब सब ईश्वर को प्यारे हो जाएंगे। अहमदाबाद एयरपोर्ट का रनवे 23 एक बार फिर चर्चा में आ गया है दुर्घटना अगस्त विमान बोइंग 787 9 ड्रीम लाइनर भी रनवे 23 से उड़कर लंदन जाने वाला था पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना ने 1988 में हुए एक अन्य विमान हादसे की याद दिला दी अहमदाबाद में 1988 के बाद यह दूसरा बड़ा दर्दनाक विमान हादसा है महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों घटनाएं रनवे 23 से ही जुड़ी हुई है। 19 अक्टूबर 1988 को मुंबई से अहमदाबाद

आर इंडियन एयरलाइंस का विमान इसी रनवे पर उतरने से पहले हादसे का शिकार हो गया था। इस विमान में 139 यात्री सवार थे जिनमें से 133 यात्रियों की मौत हो गई थी। गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन उड़ान भरने वाले विमान ने रनवे 23 से ही उड़ान भरी थी। 1988 की विमान दुर्घटना की जांच में पाया गया था कि विमान पायलटो की गलती के कारण 500 फीट की न्यूनतम ऊंचाई से नीचे आ गया था रिपोर्ट के अनुसार दोनों पायलटो को रनवे देखने में समस्या हुई थी और उन्होंने एयरपोर्ट के पास पहुंचने का प्रयास किया था इसके कारण वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया था 12 तारीख गुरुवार के बोइंग 787-8 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का हालांकि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय नें इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है पर यह दोनों दुर्घटनाएं रनवे 23 में ही हुई थी। पूर्व पायलट अधिकारियों ने कहा है कि बोइंग 787-8 ड्रीम लाइनर विश्व के सर्वाधिक सुरक्षित एवं सुगम यात्रा करने वाला विमान माना जाता है यह अत्यंत अत्यंत आधुनिक विमान भी था जिसकी फ्यूल कैपेसिटी 126000 लीटर एविएशन फ्यूल की थी और यह एक साथ 12 से 13 घंटे की उड़ान भरने वाला विमान जिसकी गति 900 किलोमीटर प्रति घंटे की थी का इस तरह दुर्घटनाग्रस्त होना और इसके दोनों इंजन अचानक फेल हो जाना एक असंभव सी बात नजर आती है। विमान में एक यात्री को छोड़कर 241 यात्रियों के शरीर काफी जल गए है जिंदगी पहचान करना भी एक बड़ा मुश्किल कार्य प्रशासन के सामने आ गया है इस संदर्भ में गुजरात प्रशासन के स्वास्थ्य विभाग में अपने बयान में कहा की मारे गए लोगों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जाएगी। मृतकों की पहचान के लिए अहमदाबाद सिविल अस्पताल में डीएनए नमूने एकत्रित करने की व्यवस्था की जा रही जिसमें मृतकों के माता-पिता या बच्चे या उनके भाई-बहन अपने डीएनए नमूने दे सकते हैं। जिससे मृतकों की सही-सही पहचान की जा सकेगी। उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद एयरपोर्ट की देखरेख का एवं संचालन का कार्य अडानी ग्रुप करता है एवं एयरलाइंस के विमान टाटा समूह संचालित करता है। इसी तारतम्य में टाटा समूह ने घोषणा की है कि सभी मृतक व्यक्तियों को मुआवजे के तौर पर एक-एक करोड रुपए प्रदान किये जाएगे।

यह बात अत्यंत सत्य है कि ''जाको राखे साइयां मार सके ना कोय''इस कहावत को चरितार्थ करते हुए इस विमान दुर्घटना से जुड़ी महत्वपूर्ण खबर है कि अहमदाबाद विमान हादसे में ट्रैफिक जाम के कारण एक यात्री भूमि चौहान की जान बच गई एक निजी चैनल को इंटरव्यू देते हुए भूमि ने अत्यंत सहमीं हुई आवाज में बताया कि विमान हादसे की खबर सुनने के बाद मेरा शरीर कांप जाता है मैं कुछ बोल पाने की स्थिति में नहीं थी उन्होंने बताया कि ट्रैफिक जाम में फंसने के कारण भूमि 10 मिनट की देरी से सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट पहुंची थी जिसके कारण उन्हें अहमदाबाद लंदन की फ्लाइट में चढ़ने की अनुमति नहीं मिली जिससे वे अत्यंत दुखी होकर एग्जिट गेट तक पहुंच गई थी तभी उन्हें पता चला कि विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है और उनकी जान बच गई है। अपनी जान बचाने के लिए ईश्वर को बहुत-बहुत आभार प्रेषित किया है। भूमि चौहान 2 साल बाद लंदन से भारत में छुट्टियां मनाने आई थी। उन्होंने भगवान को धन्यवाद देते हुए कहा कि मुझे गणपति बप्पा ने इस बड़े हादसे से बचा लिया है मैं ईश्वर की अत्यंत शुक्रगुजार हूं। उल्लेखनीय है कि बोइंग 787-8 ड्रीम लाइनर की खासियत अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और ईंधन बचाने वाले सक्षम विमान में गिनती की जाती है परंतु यह सदैव विवादों के घेरे में रहा है इसमें सुरक्षा बड़ा मुद्दा है इसके अलावा कई बार उत्पादक गुणवत्ता संबंधी खामियों भी सामने आई हैं। अहमदाबाद हादसे ने इस पर फिर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। 787 ड्रीमलाइनर परिवार के पहले संस्करण 787-8 को आधिकारिक तौर पर 2004 में लॉन्च किया गया था। पहली उड़ान 15 दिसंबर 2009 को भरी थी इसके बाद अक्टूबर 2011 में ऑल निपान एयरवेज के साथ वाणिज्यिक सेवाओं में इसे लॉन्च किया गया था और इसकी उड़ान में 210 से 248 यात्री सफर कर सकते हैं।

एयर इंडिया का विमान जब एयरपोर्ट के पास मेडिकल कर्मियों के आवासीय व हॉस्टल परिसर में गिरा तो चश्मदीद गवाहों के अनुसार ऐसा लगा जैसे धरती कांप उठी हो। हॉस्टल में भोजन कर रहे डॉक्टरों एवं आवासीय परिसर में रह रहे परिवारों में से अनुमानित तौर पर लगभग 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि आधिकारिक तौर पर कितने नागरिकों की इस विमान दुर्घटना में मौत हुई है इसकी कोई सूचना नहीं दी गई है। यह एक अत्यंत संवेदना और मर्म का विषय है कि इस बड़े विमान हादसे में इतने लोगों की मौत पर पूरे देश को झगजोर दिया है पूरा देश नीशब्द और मौन है। इस हादसे से कई शहरों के कई नागरिक, माता, बहनों एवं पतियों को भारत ने को दिया है हम उनके परिवार के साथ सतत खड़े हैं एवं मृत आत्माओं की शांति के लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं एवं उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। शांति। शांति।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

होनी को कौन टाल सकता है

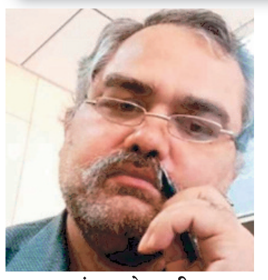

संजय गोस्वामी
मुंबई,महाराष्ट्र

भारत के अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्लेन के टेक ऑफ करने के तुरंत बाद मेघानीनगर इलाके में यह हादसा हुआ है। विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था,प्लेन में 12 क्रू मेंम्बर्स (दो पायलट समेत) और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे। विमान में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी सवार थे। विमान ने गुरुवार 12/6/25 दोपहर 1 बजकर 38 मिनट पर उड़ान भरी थी और दो मिनट के बाद ही 1 बजकर 40 मिनट बाद क्रैश हो गया। एअर इंडिया के विमान एआई-171 ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अहमदाबाद के लिए उड़ान भरी थी किसी भी व्यक्ति के जीवित रहने का कोई संभावना नहीं है लेकिन रमेश कुमार नामक व्यक्ति बच गए। ये किसी चमत्कार से कम नहीं है। दुःखद समाचार है लेकिन उसमें एक बच गया कोई कुछ भी कहे की टेक्निकल फाल्ट था लेकिन उसका इंडिकेशन दीखता है जो होना होगा उसे कोई टाल नहीं सकता जिसको बचना होगा वो बच जायेगा जिसकी जितने सांस ईश्वर ने दी है उतनी मिलता है मृतकों के प्रति गहरी संवेदना है। ईश्वर सभी मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें। एक आदमी बचा और चलने भी लगा इससे साफ जाहिर होता जिसको जिस तरह मरना होता है उसे ये घटना काल बनकर आती है कुछ को बचना लिखा होता है वह बच जाता है जिसमें कितने के फ्लाइट छूट गए है उन्हीं में से एक यात्रियों में एक महिला सौभाग्यशाली रही कि अहमदाबाद के व्यस्त ट्रैफिक ने उन्हें बचा लिया। ट्रैफिक में फंसने के कारण वह 10 मिनट की देरी से सरदार बल्लभभाई एयरपोर्ट पहुंची थीं। इसके बाद उन्हें अहमदबद लंदन की फ्लाइट में बोर्डिंग की इजाजत नहीं मिली। उसने एयरपोर्ट स्टॉप से बहुत रिक्वेस्ट की लेकिन उसको बोर्डिंग पास नहीं मिला और वो निराश होकर रह गई। मीडिया से बातचीत में भूमि चौहान ने बताया कि फ्लाइट के

टेकऑफ के लिए 1:10 बजे का समय शेड्यूल था। भूमि चौहान ने बताया कि इस हादसे की सूचना के मिलने के बाद वह बुरी तरह से कांप गईं। पैर हिलने लगे। काफी देर तक वह सदमें रहीं। भूमि ने बताया कि जब वह दुखी होकर एयरपोर्ट से एग्जिट गेट पर पहुंची तब उन्हें पता चला कि जिस फ्लाइट को उन्होंने मिस किया है,वह क्रैश हो गया है। अनहोनी घटना होती है जो दुःखद होता है लेकिन कौन मरता नहीं है जिसे बचना होगा वो बच जायेगा। दुर्घटना होती है हादसा कह कर नहीं आती और ये दुर्घटना पर किसी को दोष नहीं जिया जा सकता है क्योंकि यह एक बोइंग विमान था जिसका पुरे विश्व में कम से कम 800 विमानों का ऑर्डर अभी तक पूरा नहीं हुई अभी भी बन रहा है। यदि कोई खामी होती है तो पायलेट विमान इंजीनियर होते है उन्हें विमान के सभी सिस्टम की जानकारी होती है। देखिए आपदा में दोष के बजाये लोगों को बचाने और उनके परिवार को संभालने की जरुरत है मौसम भी बढ़िया था और लोग ज्यादा इसलिए मारे गए क्योंकि विमान टेकऑफ करते समय सीट बेल्ट बाधंने से उठने तक का मौका नहीं मिला लेकिन एक बात हमेशा ध्यान देने की जरुरत है वो यह है कि एयर पोर्ट के आस-पास रिहाईसी बिल्डिंग का निर्माण ना हो पहले एयर पोर्ट बहुत दूर होते थे अब सब सामने रहते है इससे पायलेट को बहुत सोच समझ कर उड़ान भरना पड़ता है और दुर्घटना में किसी बिल्डिंग पर गिरता है तो वहाँ भी विमान के दबने से वहाँ के रहने वाले लोगों की मौत हो जाती है। खैर विमान दुर्घटना अन्य देशों के मुकाबले कम हुआ है। ये एक आपदा है जिसे कोई नहीं जान सकता है बाद में आप कुछ भी कहते रहें विमान यदि किसी दूसरे के द्वारा मार गिराया जाता है तो युद्ध हो जाता है लेकिन जब कुदरत का कहर होता है तो उसे दोष क्या देंगे। ये समय का चक्र है एक दिन सबको मरना है। अतः हमेशा प्रभु राम का ध्यान करते रहिये और जिसने बनाया है उसी ने प्राण लिया। दुःख तो बहुत है लेकिन समरथ को नहीं। दोष गोसाई,जो तुलसीदास महाराज ने कहा उस महाशक्ति ईश्वर को दोष नहीं दिया जा सकता है क्योंकि उसी ने सब कुछ बनाया है। अतः हिम्मत से काम लें और उनके परिवार पर जो आपदा आई है उसके साथ खड़ा रहें। मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है। एक बार 1985 की बात है जब फतुहा से मोकामा जानेवाली ट्रेन में आग लगी जिसमें मेरे चाचाजी रोज पटना ऑफिस में जाते थे लेकिन दादाजी मेरे रामायण का पाठ करते थे उन्होंने चाचाजी को एक काम दे दिया जिसके करने में उन्हें घर पहुंचने में देरी हुई और ट्रेन छूट गई रोज उनके साथ जाने वाले साथी ट्रेन में जल कर मर गए। कोरोना आया और कितने को मार डाला जिसके बारे में किसने भविष्यवाणी की आपदा आती है जिस पर किसी का नियंत्रण नहीं होता है जिसे जाना होगा वो जायेगा जिसे बचना होगा वो बच जायेगा। जैसे एक आदमी बच गया। ये एक अलग बहाना होता है वो एग्जिट गेट में बैठा था जबकी उसने खुद बताया कि अचानक विस्फोट हुआ आग लगा और कुछ ही सेकेण्ड में मरते हुए देखा हुआ उसे बचना लिखा था इसलिए वो बच गया। अतः शांति से काम लें और ईश्वर से उनके आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करे। अमेरिका के 9/11 आतंकी घटना में कितने लोग मारे गए लेकिन यदि किसी अन्य कारण से होता तो कुदरत का कहर ही मान सकते हैं लेकिन आतंकवादी घटना थी इसलिए अमेरिका ने अफगानिस्तान के अलकायदा को खत्म ही कर दिया क्योंकि किसी को भी जान लेने हिंसा करने की इजाजत ईश्वर कभी नहीं देता लेकिन जो सब कुछ उसी ने दिया और उसके मर्जी से ही ये दुर्घटना हुई इसलिए इस पर राजनीति करना बिलकुल गलत है। ये होना लिखा था जान जाना निश्चित था और दुःखद घटना हुई आप ही सोचें कौन मरेगा नहीं आज न कल सभी को इस संसार से विदा लेना है फर्क यही है कोई समय से जायेगा कोई पहले जायेगा इसलिए हमेशा प्रभु राम का ध्यान करते रहें जो होगा वो संसार की एक प्रकिया है जिसे वही टाल सकता है जो संसार का निर्माण किया है।

कविता
जिंदगी तेरा कोई पता नहीं...

घटती-घटना

डॉ. राजीव डोगरा
जनयानकड़, कांगड़ा
हिमाचलप्रदेश

जिंदगी तेरा कोई पता नहीं
कब आती हो और कब चली जाती हो।
लोग सोचते हैं शायद किसी का कसूर होगा
मगर आती हो तो हजारों बेकसूरों को भी
अपने साथ ले जाती हो।
कोई तड़पता है अपनों के लिए कोई रोता है
औरों के लिए पर तुम छोड़ती नहीं
किसी को भीअपने साथ ले जाने को।
जब मरता है कोई एक तो अफसोस-ऐ-आलम
कहते है सब पर जब मरते है हजारों
तो कौन-ऐ-कयामत कहते हैं सब।
तू भी कभी तड़पती रूहों को अपने गले लगाए
ज़रा रोए कर मरते हुए किसी चेहरें को खिल-
खिला कर जरा हँसाए कर।
मानता हूँ कि कौन तेरे रोम-रोम में बसा हैं
फिर भी किसी मरते हुए इंसान के माथे को चूम
ज़रा-ज़रा सा मुस्काया कर।
जिंदगी तेरा कोई पता नहीं,कब आती हो और
कब चली जाती हो।

कविता
रक्तदान दिवस ...

घटती-घटना

अनिल कौशिक
क्योड़क कैथल
हरियाणा

रक्तदान का शुभ दिन आया मत करना विचार ।
बूंद-बूंद जनहित भरी तलब घायल उपचार ।
दया-भाव उदार चरित अगणित खुशियां भंडार।
रक्तदान शिविर सजे प्रतीक्षारत दानी लगे कतार।
लाल रंग का लाल खून करता खूब कमाल।
जरूरत मंद को मिल जाए जीवन मरण निहाल।
सीमाओं के प्रहरी सैनिक जननी मां के लाल।
दुश्मन का मुंह तोड़ रहे सीने पर गोली उछाल।
बूंद-बूंद तन रक्त बहाया बढ़े मां तेरी शान।
कुर्बान हुए रक्षा में तेरी तिरंगा राष्ट्र की आन।
रक्तदान सबसे महान अनमोल जीवन दुश्वार।
मरते को जीवन मिले यही लौकिक उपकार।

आयुष्मान भारत या असहाय भारतः निजी अस्पतालों में योजना की लूट और लाचारी

डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा (सिवानी)
भिवानी,हरियाणा

आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य गरीबों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज देना है, परंतु निजी अस्पतालों द्वारा इसे लूट का माध्यम बना दिया गया है। मरीजों से नकद धन माँगा जाता है, इलाज में लापरवाही बरती जाती है और दस्तावेज़ों की गड़बड़ी आम बात हो चुकी है। सर्वेश अस्पताल का एक उदाहरण इस भ्रष्ट तंत्र की सच्चाई को उजागर करता है। सरकार को सख्त निगरानी, पारदर्शिता और जवाबदेही की व्यवस्था तत्काल लागू करनी चाहिए, अन्यथा यह योजना जनता का भरोसा खो बैठेगी। भारत सरकार द्वारा शुरू की गई आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को देश के सबसे बड़े सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम के रूप में प्रचारित किया गया था। इसका उद्देश्य था कि आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं निःशुल्क मिलें और कोई भी व्यक्ति इलाज के अभाव में अपनी जान न गंवाए। परंतु जब यही योजना निजी अस्पतालों के लिए लाभ का साधन बन जाए और ज़रूरतमंद नागरिकों के लिए एक जाल, तब यह राष्ट्र के स्वास्थ्य की नहीं, बेबसी की तस्वीर बन जाती है।

इस योजना के अंतर्गत पात्र परिवारों को प्रति वर्ष पाँच लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा देने का दावा किया गया। सरकार ने सरकारी और निजी दोनों प्रकार के चिकित्सालयों को सूचीबद्ध किया, जिससे नागरिकों को सुविधाजनक सेवा मिल सके। लेकिन यही सूचीबद्धता बहुत से निजी अस्पतालों के लिए भ्रष्टाचार का दरवाज़ा बन गई।

हरियाणा के एक साधारण परिवार ने इस सच्चाई को तब जाना जब उनका एक बेटा अचानक बीमार पड़ा और उसे एक निजी अस्पताल-सर्वेश अस्पताल-में भर्ती कराने की ज़रूरत पड़ी। परिवार के पास आयुष्मान कार्ड था, जिससे उन्हें यह विश्वास था कि इलाज बिना पैसे के हो सकेगा। लेकिन अस्पताल ने पहले तो कार्ड को देखकर ही इलाज करने से मना कर दिया।

जब कुछ जान-पहचान के माध्यम से प्रवेश संभव हुआ, तब अस्पताल प्रशासन ने बिना किसी पर्ची या बिल के दस हज़ार रुपये की माँग की। यह राशि सीधे नकद माँगी गई-बिना किसी औपचारिकता के। यह मामला मात्र धन की माँग तक सीमित नहीं रहा। इलाज के दौरान वहाँ की चिकित्सा प्रणाली में घोर लापरवाही देखी गई। नर्सों का व्यवहार, चिकित्सकों की अनुपस्थिति, दस्तावेज़ों की गड़बड़ी और रोगी की फाइल का गायब होना-इन सबने स्थिति को और भयावह बना दिया। रोगी को एक दिन गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में रखा गया, लेकिन वहाँ की देखरेख और सुविधा नाममात्र की थी। इस घटना से यह स्पष्ट हुआ कि आयुष्मान कार्ड केवल एक कागज़ी औज़ार बन चुका है। निजी अस्पताल इस योजना को केवल सरकार से पैसा वसूलने का माध्यम मानते हैं। वास्तविक सेवा की कोई गारंटी नहीं होती। अनेक अस्पतालों में देखा गया है कि या तो योजना के लाभार्थियों को प्रवेश ही नहीं दिया जाता, या फिर उनसे खुलेआम पैसे माँगे जाते हैं। अनेक बार यह भी देखा गया है कि आवश्यक परीक्षण और दवाएं जानबूझकर योजना के बाहर दिखाकर रोगी से अलग से धन वसूला जाता है। कई बार रोगी को इलाज ही नहीं मिलता, लेकिन सरकारी फाइलों में इलाज दिखाकर धन निकाल लिया जाता है। इस योजना की निगरानी के लिए राज्य स्तर पर एक स्वास्थ्य एजेंसी बनायी गई है, परंतु व्यवहार में यह तंत्र लगभग निष्क्रिय दिखाई देता है। उपर्युक्त परिवार ने भी योजना की शिकायत हेल्पलाइन पर दर्ज कराई,लेकिन उन्हें कई सप्ताह तक कोई उत्तर नहीं मिला। अस्पताल प्रशासन से जब पूछताछ की गई तो जवाब की बजाय धमकियाँ और उपेक्षा मिलीं। जब कोई सरकारी योजना इस हद तक भ्रष्टाचार की चपेट में आ जाती है, तो आम जनता के विश्वास का टूटना स्वाभाविक है। सरकार जिन जन कल्याण कारी योजनाओं का डंका पीटती है, ज़मीन पर वे ही योजनाएँ आम नागरिक के लिए अपमान, अपव्यवस्था और लाचारी का पर्याय बन जाती हैं। यदि पाँच लाख रुपये का बीमा होने के बावजूद किसी गरीब को दस हज़ार रुपये की नकद राशि देनी पड़े, तो यह न केवल योजना का मखौल है, बल्कि सीधे-सीधे एक सामाजिक अन्याय है।

समस्या केवल सर्वेश अस्पताल तक सीमित नहीं है। देश के अनेक राज्यों में हजारों ऐसे निजी चिकित्सालय हैं जो इसी प्रकार योजना का लाभ उठाकर जनता को ठग रहे हैं। यह एक प्रकार की संगठित धोखाधड़ी है, जिसमें अस्पताल, दलाल, और कभी-कभी सरकारी कर्मी भी शामिल होते हैं।

इस स्थिति से निपटने के लिए निम्नलिखित उपाय आवश्यक हैं...

- सभी सूचीबद्ध निजी चिकित्सालयों की नियमित और सख्त जाँच की जाए।
- हर जिले में एक स्वतंत्र जन निगरानी समिति बनाई जाए जिसमें पत्रकार, अधिवक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हों।
- जो चिकित्सालय योजना के नाम पर नकद धन माँगता पाया जाए, उसकी तत्काल सूची से नाम काटा जाए।
- रोगी या उसके परिवार की स्वीकृति के बिना भुगतान की प्रक्रिया न हो।
- एक प्रभावी और तत्काल प्रतिक्रिया देने वाला शिकायत निवारण मंच बनाया जाए।

जब तक यह व्यवस्था नहीं होगी, तब तक आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य अधूरा ही रहेगा। यह योजना गरीबों के लिए वरदान बनने की बजाय अब एक ऐसी व्यवस्था बनती जा रही है जहाँ न डॉक्टर जिम्मेदार हैं,न अस्पताल पारदर्शी। सब अपने हिस्से का लाभ लेने में लगे हैं-और बीच में पिसता है वह व्यक्ति जो केवल जीवन की आशा लेकर अस्पताल पहुँचा था।

आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं की आत्मा तब तक जीवित नहीं रह सकती जब तक उसकी रीढ़ पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और सेवा न हो। सर्वेश अस्पताल जैसे उदाहरण केवल व्यक्तिगत पीड़ा नहीं, बल्कि पूरे तंत्र की बीमार हकीकत हैं।

जब तक यह नहीं समझा जाएगा कि योजना का उद्देश्य केवल धन देना नहीं, बल्कि सम्मानजनक चिकित्सा सेवा देना है, तब तक देश का स्वास्थ्य तंत्र एक खोखली इमारत ही रहेगा–जहाँ इलाज से ज़्यादा प्रार्थना काम आती है, और डॉक्टर से ज़्यादा संबंध।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

AMBIKAPUR GG PAPER 14 JUNE 2025_Layout 2 6/13/2025 11:33 PM Page 3

युक्तियुक्तकरण में विसंगति,शिक्षकों ने अधिकारियों पर लगाया मिलीभगत का आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग में शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण व्यापक गड़बड़ी का आरोप शिक्षक साझा मंच ने लगाया है। शिक्षका साझा मंच का कहना है कि युक्तियुक्तकरण के तहत विभाग में सही तरीके से परीक्षण किए बिना ही अतिशेष शिक्षकों की सूची जारी कर तथा जिला स्तर एवं संभाग स्तर पर काउंसलिंग कर शिक्षकों का ऐसे पदस्थापना आदेश जारी कर दिया गया जहां ना तो रिक्त पद है ना ही उसे नाम के शिक्षक पदस्थ हैं। शिक्षक साझा मंच सरगुजा संभाग के बैनर तले शुक्रवार को संभाग स्तरीय ज्ञापन पोल खोल युक्तियुक्तकरण धांधली ज्ञापन रैली मंच ने मुख्यमंत्री के नाम, सरगुजा संभाग आयुक्त कमिश्नर को व संयुक्त संचालक सरगुजा शिक्षा संभाग को ज्ञापन सौंपा है। इस दौरान बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। शिक्षकों ने साक्ष्य प्रमाण के साथ शांतिपूर्ण रैली निकालकर ज्ञापन सौंपा। मंच के प्रांतीय सहसंचालक हरेंद्र सिंह व सुनल सिंह ने ज्ञापन में बताया कि पूरे सरगुजा संभाग में जिले में जिला शिक्षा अधिकारी एवं संभाग स्तर पर जेडी की देखरेख में शिक्षा विभाग में स्कूलों एवं शिक्षकों की युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया संपादित की गई है। पूरी प्रक्रिया आनन-फानन में होने के कारण विसंगति पूर्ण है एवं अधिकारियों ने मिलीभगत कर संभाग के शिक्षा गुणवत्ता खराब करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कई महिला व्याख्याता जो कि जिला और संभाग की सूची से परे थे अचानक काउंसलिंग की 12 घंटे पूर्व सोशल मीडिया से जानकारी के आधार पर काउंसलिंग कराई गई जो पूर्णता नियम विरुद्ध है। अधिकारियों ने ऐसे शिक्षकों की पोस्टिंग कर दी है जिस नाम से संबंधित स्कूलों में शिक्षक ही नहीं है, साथ ही जहां रिक्त पद नहीं है वहां भी अतिशेष शिक्षक को पोस्टिंग में भेज दिया गया है।

मंच के प्रांतीय सहसंचालक ने आरोप लगाया है कि 24 ऐसे मामले हैं जहां संबंधित विषय का पद रिक्त नहीं है वहां भी स्कूलों में पोस्टिंग दे दी गई है। शिक्षक साझा मंच ने इस पूरे प्रक्रिया को ही निरस्त करने की मांग कमिश्नर से की है। शिक्षकों की युक्तियुक्तकरण में संभाग में सभी जिलों में व्यापक पैमाने पर गड़बडियां सामने आ रही है, जहां अतिशेष शिक्षकों की सूची में बार-बार बदलाव करने के साथ ही रिक्त पदों को छुपा कर रखने एवं बाद में प्रभावशाली शिक्षकों को पदस्थ करने की बात भी सामने आ रही है। अधिकारियों ने शासन के निर्देशों के अवहेलना कर कई रिक्त पदों की सूची को दबा दिया और नई-नई सूची जारी कर अतिशेष शिक्षकों को भ्रमित करते रहे जिले स्तर के काउंसलिंग में भी अधिकारियों ने जमकर मनमानी की वही संभाग में इस तरह काउंसलिंग में शिक्षकों को बिना रिक्त पद स्थापना आदेश जारी कर दिए गए तत्काल शिक्षक कार्यभार ग्रहण करने के दबाव में ज्वाइनिंग करने पहुंचे तो प्राचार्य रिक्त पद नहीं होने का हवाला देकर बैरंग वापस कर रहे हैं ऐसे में शिक्षक परेशान होकर डीईओ एवं जेडी कार्यालय का चक्कर लगाने को मजबूर हो गए हैं। शिक्षक साझा मंच ने ज्ञापन सौंपने के पश्चात अधिकारियों के साथ अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत लोगों की शांति हेतु दो मिनट का मौन धारण किया गया। पोल खोल ज्ञापन रैली में जिला संचालक कमलेश सिंह, संदीप पाण्डेय, सचिन त्रिपाठी, सर्वजीत पाठक, प्रांतीय सह संचालक हृषिकेश उपाध्याय व अशोक कुर्रे, जिला महिला प्रकोष्ठ प्रमुख कंचनलता श्रीवास्तव, सुशील मिश्रा, जवाहर खलखो, अमित सोनी, लखन राजवाड़े, रणबीर सिंह चौहान, राकेश पांडेय, रमेश याज्ञीक, योएल लकड़ा, जिला सह संचालक अमित सिंह, काजेश घोष, रामबिहारी गुप्ता, सुरित राजवाड़े सहित अन्य उपस्थित रहे।

चौपाटी में दुकान संचालक और महिला कर्मचारी के साथ मारपीट

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)।

शहर के चैपाटी के आसपास आए दिन बदमाशों के द्वारा उपद्रव मचाकर शांति भंग करने का प्रयास किया जाता है। पुलिस की गस्त के बाद भी इनकी प्रवृत्ति पर लगाम नहीं लग पा रहा है। 11 जून को पुनः चैपाटी के पास टी स्मोकर नामक चाय दुकान के संचालक और महिला स्टाफ के साथ दो युवकों के द्वारा दुकान के अंदर घुसकर और दुकान से बाहर निकालकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। इसका वीडियो भी कुछ लोगों ने बनाया, जो पुलिस के संज्ञान में आया है। मामले में कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया और इनके खोजबीन में लगी है।

चोपड़ापारा निवासी दीपक यादव ने कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि 11 जून को रात करीब 11.30 बजे वह अपने घर चला गया था। दुकान में स्टाफ अंकिता तिग्गा व रशमि प्रजापति थे। इसी दौरान अंकिता फोन करके बताई कि दुकान में झगड़ा हो रहा। इसकी सूचना मिलने पर जब वह दुकान आया तो दो लडक़े दुकान मे बैठे ग्राहकों व स्टाफ के साथ विवाद कर रहे थे। जब वह दोनों को दुकान में विवाद करने से मना करते हुए जाने के लिए कहा तो दोनों लडक़े गाली देते हुए हाथ-मुक्का व डण्डा से मारपीट करने लगे। इनके द्वारा मारकर गाड़ देने की धमकी दी गई। आरोपियों ने स्टाफ अंकिता तिग्गा के साथ भी मारपीट की, जिस पर आसपास के लोग बीच-बचाव किए। मारपीट में दुकान संचालक और महिला कर्मचारी को चोटें आई है। पुलिस ने नवापारा चर्च के पास रहने वाले अनूप गुप्ता व ओम प्रकाश गुप्ता के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

नीली बत्ती लगी कार के बोनट पर बैठकर डीएसपी की पत्नी ने किया बर्थडे सेलिब्रेट

खतरनाक तरीके से कार चलाने का वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)।

नीली बत्ती लगी कार के बोनट पर बैठकर एक महिला द्वारा बर्थडे सेलिब्रट करने व स्टंटबाजी करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला बलरामपुर जिले के रामानुजगंज बटालियन में पोस्टेड डीएसपी की पत्नी बजाई जा रही है। कार में चार से पांच युवतियां भी है जो वाहन के दोनों गेट के बाहर खड़ी हैं और डीएसपी की पत्नी बोनट पर बैठीं हैं। वीडियो अंबिकापुर के सरगवां पैलेस होटल का बताया गया है। वायरल वीडियो को छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा है- छत्तीसगढ़ में डीएसपी की पत्नी होने के

जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने कैंडिल मार्च निकाल कर की श्रद्धांजलि अर्पित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)।

अहमदाबाद की दुःखद प्लेन दुर्घटना में मृतकों को आज जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने कैंडिल मार्च निकाला श्रद्धांजलि अर्पित की। गुरुवार 12 जून को लंदन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट अहमदाबाद एयरपोर्ट से उड़ान भरने के तुरंत बाद एयरपोर्ट से लगे आवासीय परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस दुर्घटना में विमान में सवार 229 यात्री 12 क्रू मेंबर्स सहित आवासीय परिसर में स्थित मेडिकल कॉलेज परिसर के 23 से अधिक रेजिडेंट चिकित्सकों और कर्मचारियों की मृत्यु हो गई। इस घटना के बाद कांग्रेस पार्टी ने आखिल भारत स्तर पर शुक्रवार को अपने सभी राजनीतिक कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया। जिला कांग्रेस कमेटी ने भी शुक्रवार को शिक्षा न्याय आंदोलन और संविधान बाचओ के सभी तय कार्यक्रम को स्थगित कर दिया। जिला कांग्रेस कमेटी ने जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में राजीव भवन से घड़ी चौक तक कैंडिल मार्च निकाला और मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे की इस मांग से सहमति जताई कि दुर्घटना की जांच सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा अथवा सेवानिवृत्त जज से कराई जाए। गृहमंत्री अमित शाह के बयान की दुर्घटना को रोका नहीं जा सकता कि आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि विमान हादसा दैवीय घटना न होकर मानवीय चूक है। उन्होंने यह भी कहा कि 265 लोगों के दुःखद मृत्यु की जवाबदेही तय होनी चाहिये। मोदी सरकार ने एयर इंडिया का निजीकरण किया। निजीकरण के बाद के एयर इंडिया की मालिक कंपनी विमानों का रखरखाव अंतरराष्ट्रीय मानक स्तर पर कर रही थी या नहीं इसकी जाँच होनी चाहिए। इस दौरान 20 सूत्रीय कार्यक्रम के पूर्व उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, पूर्व महापौर डॉ अजय तिर्की, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता, ब्लॉक कांग्रेस अम्बिकापुर शहर के अध्यक्ष हेमंत सिन्हा, मो इस्लाम, संजय विश्वकर्मा, रामविनय सिंह, नुरूल अमीन सिद्दकी, दुर्गेश गुप्ता, अनिल सिंह, मधु दीक्षित, राशिद अहमद, सुधांशु गुप्ता, इरफान सिद्दकी, पपिन्दर सिंह, लुकस मिंज, हरभजन भामरा, अनूप मेहता, असफाक अली, जमील खान, नरेन्द्र विश्वकर्मा, वेद प्रकाश शर्मा, चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, निकी खान, सोहन जायसवाल, लोकेश कुमार, आलोक सिंह, हिमांशु जायसवाल, संजय सिंह, नीतीश चौरसिया, दीपक मिश्रा, शिवप्रसाद अग्रहरि, दिनेश शर्मा, सुदामा कुर्रे, आशीष जायसवाल, सतीश बारी, काजू खान, अविनाश कुमार, विकास केशरी, रोशन कन्नौजिया, मो इमरान, पवन पांडेय, अमित वर्मा, आरिफ खान, अंशु गुप्ता, जमशेर आलम, तरणजीत सिंह, अमित सिन्हा, सुधांशु घोष, रही गजाला, गीता रजक, शकीला सिद्दकी, उर्मिला विश्वास, श्रीमती हमीदा, मंजू सिंह, शालनी अग्रवाल, अनुराधा सिंह,अमित जायसवाल,इमरान सिद्दकी पप्पू,अंकित जायसवाल, बबन सोनी सुरेंद्र गुप्ता, लोलार सिंह, अभिषेक सोनी, अतुल यादव, अमित मिंज विकास दुबे, केदार सिन्हा, आदि मौजूद थे।

गर्भपात का दवा सेवन करने से फिर हुई एक किशोरी की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)।

बिना ब्याही मां बनने के बाद गर्भ में पल रहे बच्चे की सफाई के लिए गर्भपात की दवा का बिना सोचे-समझे सेवन करना, करवाना ट्रेंड बनते जा रहा है। ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं। गर्भवती होने पर या तो प्रेमी के द्वारा सामाजिक मान-मर्यादा की दुहाई देकर गर्भपात की दवा का सेवन कराया जाता है, या फिर किशोर उम्र में गर्भवती होने पर लड़कियां स्वजन के भय से ऐसी दवाओं का सेवन करके खुद के जीवन को खतरे में डाल रही हैं। अंबिकापुर सहित सरगुजा संभाग से ऐसे मामले आए दिन सामने आ रहे हैं, इसके बाद भी दवा दुकानों से ऐसी दवाओं का बिना डॉक्टरी पर्चा के आसानी से सुलभ होना सवालों के घेरे में है। ऐसे ही एक और मामले में 16 वर्षीय किशोरी की जान चली गई। मनेन्द्रगढ-चिरमिरी-बैकुण्ठपुर जिला के नागपुर थाना क्षेत्र की किशोरी बिना ब्याही मां बन गई थी। लगभग 3-4 माह का गर्भ ठहर चुका था, जिससे परिवार के सदस्य अनजान थे। किशोरी की तबियत बिगड़ी और स्वजन उसे मनेन्द्रगढ़ अस्पताल लेकर गए, तो उन्हें लडक़ी के गर्भवती होने का पता चला। मनेन्द्रगढ़ अस्पताल से रेफर करने पर स्वजन किशोरी को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। किशोरी किसके प्रेमजाल में फंसकर गर्भवती हुई, वह स्वयं गोली का सेवन की था या फिर प्रेमी उसे गर्भपात का गोली सेवन करने के लिए प्रेरित किया,इसका पर्दाफास पुलिस की जांच के बाद हो पाएगा। बहरहाल ऐसी घटनाओं को देखते हुए गर्भपात की गोलियों की आसानी से उपलब्धता रोकने का प्रयास प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त पहल करना चाहिए,ताकि मेडिकल स्टोर से ऐसी जानलेवा दवाएं आसानी से उपलब्ध न होने पाए।

सरगुजा अंचल में मिलते हैं अनेक प्राचीन शैल व भित्ति चित्र

अजय चतुर्वेदी ने रामगढ़ महोत्सव राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी में भित्ति चित्र कला की दी प्रस्तुति

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)।

जिला प्रशासन सरगुजा द्वारा रामगढ़ में दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव का आयोजन 11 एवं 12 जून को किया किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें सूरजपुर जिले के जिला पुरातत्व के सदस्य राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने सरगुजा अंचल के शैलचित्र एव भित्ति चित्र कला के संबंध में विस्तार से शोध पत्र का वाचन किया। अजय चतुर्चेदी ने बताया कि सरगुजा अंचल में अनेक प्राचीन शैल चित्रों और भित्ति चित्र देखने को मिलते हैं। कुछ शैल चित्रों और भित्ति चित्र शासन की नजर में हैं। किन्तु कुछ आज भी अज्ञात स्थिति में संरक्षण की बाट जोह रहे हैं। रामगढ़ के जोगीमाड़ा गुफा के मौर्य कालीन भित्तिचित्र ऐतिहासिक काल की भारतीय चित्रकला के प्राचीनतम उदाहरण हैं। अजय चतुर्वेदी ने अपने शोध पत्र में सरगुजा अंचल के भित्तिचित्रों, शैलचित्रों, शिला लेख एवं दीवालों पर बनाए गये रजवार भित्ति चित्र कला पर विस्तार से प्रकाश डाला है। जिसमें जोगी माड़ा गुफा के भित्ति चित्र (सरगुजा जिला), ढ़ोढ़ा गाव सीतापुर के भित्तिचित्र (सरगुजा जिला), जोगी माड़ा गुफा के भित्तिचित्र (सूरजपुर जिला),सीतालेखनी पहाड़ के भित्तिचित्र (सूरजपुर जिला), कुदरगढ़ के भित्तिचित्र (सूरजपुर जिला) कठौता पहाड,नवाधक्की के भित्ति चित्र (सूरजपुर जिला), बच्छराज कुवंर के भित्ति चित्र (बलरामपुर जिला) और दीवालों पर बनाए गये रजवार भित्ति चित्र के बारे में विस्तार से अवगत कराया। भित्ति चित्र कला की कुशल कला शिल्पी सोनाबाई की भित्ति चित्रकला देश-विदेश में सरगुजा की पहचान बना चुकी है। दीवालों पर बनाए गये भित्ति चित्र काफी आकर्षक लगते हैं। यह कला रजवार जाति की पारंपतिक भित्ति चित्र कला है। इस दौरान अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने रामगढ़ महोत्सव 2025 के दौरान राष्ट्रीय संगोष्ठी में अजय चतुर्वेदी को स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।

धारदार चाकू के साथ युवक गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)।

धौरपुर थाना पुलिस ने चाकू लेकर राहगीरों को डरा-धमका रहे बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरूद्ध आर्म्स एक्ट की कार्रवाई करके पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की है।

जानकारी के मुताबिक 12 जून को मुखबिर ने पुलिस को अवगत कराया कि ग्राम बिल्हमा जोरी तिराहा में मंदिर के पास एक व्यक्ति लोहे का चाकू लेकर आने-जाने वाले लोगों को डरा-धमका रहा है। सूचना मिलते ही सहायक उपनिरीक्षक रामधनी राम अपने अधीनस्थ स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे तो आरोपी अरबाज अली पिता नेयामत अली 30 वर्ष निवासी ग्राम बिल्हमा चैक में चाकू हाथ में लिए नजर आया, जो रास्ते से आना-जाना कर रहे लोगों को दहशत में डाल रहा था। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से आरोपी अरबाज अली को हिरासत में लेकर धारदार चाकू बरामद कर लिया। आरोपी के विरूद्ध पुलिस ने धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया है।

CMYK

इस्राइल ने ईरान पर इस तरह हमले को दिया अंजाम, खामनेई ने की नए सैन्य कमांडरों की नियुक्ति

दुबई,13 जून 2025। इस्राइल और ईरान के बीच लंबे समय से जारी तनाव अब एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच गया है। वहीं शुक्रवार की सुबह इस्राइल के हमले के बाद दोनों देश एक-दूसरे पर जवाबी कार्रवाई कर रहे हैं। एक तरफ जहां बेंजमिन नेतन्याहू ने ईरान पर अपनी कार्रवाई को जरूरी बताया है, वहीं ईरान की तरफ से इस्राइल को सजा देने की बात कही गई है। अब आपको बताते हैं कि, इस्राइल ने ईरान पर अपने भीषण हमले को किस तरह अंजाम दिया। तो बता दें कि, इस्राइल इस हमले की तैयारी बहुत पहले से कर रहा था, जिसमें इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद ने ईरान के अंदर हथियारों की तस्करी भी की थी। जानकारी के मुताबिक, हमला शुरू होने से पहले ईरान के भीतर ही ड्रोन और अन्य हथियारों को सक्रिय किया गया।

ईरान पर इस्राइली हमले की गुप्त तैयारी

इस्राइल ने शुक्रवार को ईरान पर एक बड़ा हमला किया,जिसकी तैयारी गुप्त रूप से पहले ही कर ली गई थी। इस बात की जानकारी दो इस्राइली सुरक्षा अधिकारियों ने दी, जिन्होंने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बात की। इन अधिकारियों के अनुसार,इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद ने हमले से पहले ईरान के अंदर ड्रोन,सटीक निशाना लगाने वाले हथियार और अन्य विस्फोटक सामग्री भेज दी थी। इन हथियारों का इस्तेमाल ईरान की राजधानी तेहरान के पास स्थित मिसाइल बेस को निशाना बनाने में किया गया। बताया गया कि ईरान के अंदर एक गुप्त ठिकाने से विस्फोटक ड्रोन उड़ाए गए और साथ ही कुछ वाहनों में लगाए गए हथियार सिस्टम भी सक्रिय किए गए। इनका मकसद ईरान की हवाई सुरक्षा प्रणाली को कमजोर करना था।

ईरान ने दी प्रतिक्रिया, नए कमांडर किए नियुक्त

इस्राइली हमले में ईरान के दो शीर्ष सैन्य अधिकारी मारे गए। इसके बाद ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई ने तुरंत नए सैन्य प्रमुखों की नियुक्ति कर दी है। बता दें कि,जनरल अब्दुर्रहीम मूसेवी को ईरानी सशस्त्र बलों का नया प्रमुख बनाया गया है। इससे पहले वे थल सेना के प्रमुख थे। मोहम्मद पाकपुर को इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का नया कमांडर बनाया गया है। उन्होंने जनरल होसैन सलामी की जगह ली है। आईआरजीसी ईरान की सबसे ताकतवर सैन्य इकाई मानी जाती है, जो 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद बनाई गई थी और देश की धार्मिक सरकार का अहम स्तंभ है।

इस्राइल-ईरान संघर्ष में क्या है ताजा स्थिति?

अभी तक इस हमले को लेकर ईरान या इस्राइल की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन पश्चिमी मीडिया और सुरक्षा विशेषज्ञ इसे इस्राइल की नई तरह की गुप्त सैन्य कार्रवाई मान रहे हैं, जिसमें देश के अंदर से ही हमला किया गया है। हालात फिलहाल बेहद तनावपूर्ण हैं, और इस हमले के बाद ईरान की प्रतिक्रिया और संभावित जवाबी कार्रवाई पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है।

बलरामपुर पुलिस के द्वारा चालकों पर की जा रही है लगातार कारवाही

» पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान के तहत एक ही दिन में वसूले 521 वाहनों से 2,52,900/- शमन शुल्क

- संवाददाता -
बलरामपुर, 13 जून 2025 (घटती-घटना)।

पुलिस की ताबड़तोड़ कार्यवाही यातायात नियमों की अंदेखी करने वाले चालकों से वसूले 2,52,900/- शमन शुल्क। एक ही दिन की कार्यवाही में पुलिस के कार्यवाही से 521 वाहन चालकों ने पटाया 2,52,900/- का जुर्माना।

बलरामपुर पुलिस इन दिनों अलग ही एक्शन मोड में है । जहाँ अलग अलग अपराधों में आरोपियों को जेल भेज रहे है वही दूसरी तरफ़ यातायात के नियमों के उल्लंघन करने वाले चालको पर कार्यवाही भी कर रही है ।इसी अनुक्रम में जिला बलरापमुर-रामानुजगंज अंतर्गत पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बैंकर (भा पु से) के मार्गदर्षन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री विष्व दीपक त्रिपाठी के निर्देषन में जिला बलरामपुर रामानुजगंज अंतर्गत विगत वर्ष 2024 के सड़क दुर्घटना के आंकडों के देखते हुए इस वर्ष 2025 में सड़क दुर्घटना का कम करने कार्यवाही तेज कर दी है।

जिसमें बलरामपुर पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान के तहत चलानी कार्यवाही शुरू कर दी गई है। जिसका सीधा असर 12.06.2025 की कार्यवाही से पता चलता है जिसमें पुलिस विभाग द्वारा 521 प्रकरणों पर कार्यवाही करते हुए कल 2,52,900/- रु दो लाख बावन हजार नौ सौ रुपये का समन शुल्क वसूल किया गया है।

चालानी कार्यवाही में मुख्य रूप से शराब सेवन कर वाहन चलाने वालों पर 07 प्रकरण में कार्यवाही कर वाहन जप्त की कार्यवाही की गई है । बिना हेलमेट वाहन चलाने कुल 110 प्रकरणों में कार्यवाही करते हुए 55000/- का शमन शुल्क वसूल किया गया है, बीना सीट बेल्ट के वाहन चलाने वालों पर 163 प्रकरण में कार्यवाही करते हुए 81500/- रुपए का शमन शुल्क वसूल किया गया है, तथा यातायात नियम तोड़ने वालों पर कार्यवाही करते हुए 14 प्रकरण में 4500 रुपए का सामान शुल्क वसूल किया गया है, प्रतिबंधित मार्गों (नो एंट्री) वाहन चालन के विरुद्ध 04 प्रकरण में? 8000 रुपए तथा बिना फिटनेस के वाहनों पर 02 प्रकरण में 6000 रूपये की कार्यवाही की गई है। नाबालिक वाहन चालान के 2 प्रकरण में 2000/- समेत तथा अन्य प्रकरण मिलाकर कुल 521 प्रकरणों में कार्यवाही करते हुए 2,52,900/- रुपए का सामान शुल्क वसूल किया गया है।

इसके अलावा यातायात नियामों का पालन नहीं करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्यवाही करने के साथ साथ केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम 1988 कि धारा 19 एवं केन्द्रीय मोटर यान नियम 1989 के नियम 21 में उल्लेखित प्रावधानों का पालन करते हुये वाहन चालकों का लाईसेंस निलंबन भी कराया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त आम जनों से अपील किया गया है कि वे यातायात नियमों का पालन करे। अपने एवं अपनों की जान को सुरक्षित रखते हुये वाहन चलायें, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहने, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करें,नबालिकों को वाहन न चलाने दें, तथा सड़क दुर्घटना होने पर घायलों को अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचायें एवं ''गुड सेमेरिटन'' अच्छे नागरिक बनें। कार्यवाही में बलरामपुर पुलिस के समस्त थाना / चौकी के प्रभारी द्वारा किया गया ।

24 घंटे के विशेष अभियान में सरगुजा पुलिस द्वारा 74 वारंट तामील, 50 स्थाई वारंट के साथ 24 गिरफ्तारी वारंट भी तामील

» वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा के दिशा निर्देशन में पुलिस टीम द्वारा लुक-छिप कर रह रहे वारंटियों पर की गई सख्त कार्यवाही

» थाना सीतापुर एवं थाना कोतवाली द्वारा सर्वाधिक वारंट किया गया तामिल

» सरगुजा पुलिस का यह अभियान आगे भी निरंतर रहेगा जारी

» थाना चौकी स्तर पर पुलिस टीम द्वारा सुबह सुबह वारंटियों के घर औचक दी गई दस्तक

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2025 (घटती-घटना)।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन मे जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारियों को माननीय न्यायालय द्वारा जारी स्थाई वारंट एवं गिरफ़्तारी वारंट की तमिली हेतु 24 घंटे का विशेष अभियान चलाकर थाना चौकी छेत्र अंतर्गत वर्षों से लुक छिप कर रह रहे वारंटियों कों पकड़कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने के दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम मे आज दिनांक कों सरगुजा पुलिस द्वारा विशेष अभियान के तहत वारंटियों पर नकेल कसते हुए धरपकड़ की गई, राजपत्रित पुलिस अधिकारियों की देख रेख मे जिला मुख्यालय एवं प्रत्येक थाना चौकी स्तर पर थाना/चौकी प्रभारियो द्वारा पुलिस टीम के साथ सुबह सुबह वारंटियों के सकुनत पर औचक दस्तक दी गई, अभियान के दौरान सरगुजा जिले के समस्त थाना/चौकी से कुल 50 स्थाई वारंट एवं 24 गिरफ्तारी वारंट तामिल किया गया है, सरगुजा पुलिस द्वारा अभियान के दौरान ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए कुल 74 वारंट तामिल किये गए हैं।

अभियान के दौरान थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा 05 स्थाई वारंट एवं 08 गिरफ़्तारी वारंट, थाना गांधीनगर द्वारा 05 स्थाई वारंट, थाना सीतापुर द्वारा 12 स्थाई वारंट एवं 06 गिरफ़्तारी वारंट, थाना बतौली द्वारा 03 स्थाई वारंट एवं 02 गिरफ़्तारी वारंट, थाना लुन्ड्रा द्वारा 01 स्थाई वारंट एवं 01 गिरफ़्तारी वारंट, थाना धौरपुर द्वारा 05 स्थाई वारंट,थाना उदयपुर द्वारा 06 गिरफ़्तारी वारंट, थाना लखनपुर द्वारा 11 स्थाई वारंट एवं 01 गिरफ़्तारी वारंट,थाना दरिमा द्वारा 08 स्थाई वारंट तामिल कर वारंटियों कों माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है,अभियान के दौरान सर्वाधिक वारंट थाना कोतवाली एवं थाना सीतापुर द्वारा तामिल किये गए है।

» माननीय न्यायालय द्वारा 11 वर्ष पूर्व दुष्कर्म एवं चोरी के प्रकरण मे जारी अलग अलग स्थाई वारंट पुलिस टीम द्वारा किया गया तामिल

थाना सीतापुर अंतर्गत दुष्कर्म के प्रकरण मे माननीय न्यायालय द्वारा 11 वर्ष पूर्व से जारी स्थाई वारंट आरोपी जितेंद्र उर्फ़ गुणा साकिन बेलजोरा सीतापुर कों पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया है,एवं 11 वर्ष पूर्व माननीय न्यायालय द्वारा चोरी के मामले मे जारी स्थाई वारंट आरोपी भजन राम साकिन बिशुनपुर थाना सीतापुर कों पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है, सरगुजा पुलिस द्वारा वारंटियों के खिलाफ यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

शासकीय टैंकर वाहन का बैट्री चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2025 (घटती-घटना)।

शासकीय जिला पशु चिकित्सालय के कैम्पस में खड़ी टैंकर का बैट्री अज्ञात लोगों ने चोरी कर लिया है। घटना की रिपोर्ट कोतवाली थाना में सरगंवा, गांधीनगर निवासी कार्यालय उपसंचालक पशु चिकित्सालय के परिचारक अशोक कुमार यादव व वाहन चालक कुंतल मिंज ने कोतवाली थाना में दर्ज कराई है। रिपोर्ट में उल्लेखित है कि शासकीय टैंकर क्रमांक सीजी 02 एयू 0511 को लेकर 8 जून को तरल नत्रजन लेने दुर्ग जाना था। 6 जून को शाम 5 बजे से 7 जून को शाम 7 बजे के बीच उक्त वाहन का बैट्री अज्ञात लोगों ने बाक्स तोडक़र चोरी कर लिया। रिपोर्ट पर पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

ग्राम ढोढाकेसरा की राजस्व संबंधी शिकायत निकली निराधार

» सीमांकन में शिकायत कर्ता स्वयं पाए गए अनाधिकृत कब्जे में,राजस्व जांच में हुआ खुलासा

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2025 (घटती-घटना)।

ग्राम ढोढाकेसरा के कुछ ग्रामीणों द्वारा कलेक्टर जनदर्शन में राजस्व मामलों के निराकरण में विलंब और रिश्वतखोरी के आरोप लगाए गए थे। उक्त शिकायत को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन द्वारा जांच की गई, जिसमें कई तथ्य सामने आए हैं।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया गया था कि ग्राम ढोढाकेसरा की राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी द्वारा छोटे-छोटे मामलों का निराकरण नहीं किया जा रहा है, और पैसे वसूलने या मुर्गा-बकरा जैसे गैरकानूनी लाभ लेने के बाद भी कार्य नहीं हो रहा है। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक न्यूज़ चैनल में भी इस आशय की खबर प्रकाशित की गई थी।

जांच के अनुसार,शिकायतकर्ता के पिता जददु के नाम पर ग्राम ढोढाकेसरा स्थित खसरा नंबर 1/54, 1/50, 1/15, 1/22, 107/21 की भूमि दर्ज थी। नामांतरण संबंधी प्रकरण क्रमांक MP 202324390214400007 पर 22 अगस्त 2024 को आदेश पारित कर फौती नामांतरण पहले ही किए जा चुके थे।

शिकायतकर्ता द्वारा इन 1/15, 1/22, 1/50, 1/54,107/21 खसरों की भूमि का रकबा 0.194, 0.594,0.105, 0.061, 1.172 हेक्टर का सीमांकन नहीं किए जाने की शिकायत की गई थी, परंतु यह सीमांकन 28 जनवरी 2025 को राजस्व निरीक्षक द्वारा किया जा चुका था।

सीमांकन प्रतिवेदन के अनुसार, शिकायतकर्ता स्वयं 4x15 मीटर भूमि क्षेत्र में अन्य खातेदार की जमीन पर अनाधिकृत कब्जे में पाए गए।

सीमांकन के पश्चात कोई भी लिखित आपत्ति आज तक न्यायालय में प्रस्तुत नहीं की गई है। नायब तहसीलदार, कुन्नी द्वारा सीमांकन को वैध मानते हुए इस प्रकरण को अनुमोदन कर नस्तीबद्ध कर दिया गया है।

शिकायतकर्ता को अपना पक्ष रखने के लिए न्यायालय में बुलाया गया था, किन्तु वे आज तक उपस्थित नहीं हुए। इससे यह स्पष्ट होता है कि उक्त शिकायत दुर्भावनापूर्ण एवं निराधार थी।

कलेक्टर के निर्देश पर गट्टिकोना में ट्रैक्टर से पहुंचाया गया तीन माह का राशन

» सुदूर ग्राम में पहाड़ी कोरवा परिवारों को घर पहुंच सेवा से मिली बड़ी राहत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य सुदूर ग्रामों में पीडीएस राशन वितरण को सुलभ और सुचारु बनाने के उद्देश्य से ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। जिले के ग्राम पंचायत कोट का दूरस्थ वनांचल आश्रित ग्राम गट्टिकोना में ट्रैक्टर के माध्यम से तीन माह का राशन पहुंचाया गया, जिससे 19 पहाड़ी कोरवा परिवारों को राहत मिली है।

विगत दिनों कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने गट्टिकोना का दौरा किया था। इस दौरान पहाड़ी कोरवा समुदाय ने कलेक्टर को राशन लाने-ले जाने में हो रही परेशानियों से अवगत कराया था।

ग्रामीणों की इस वास्तविक समस्या को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने खाद्य विभाग को ट्रैक्टर या अन्य उपयुक्त साधन से ग्राम तक राशन पहुंचाने के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में विभाग द्वारा ट्रैक्टर के माध्यम से तीन माह (जून, जुलाई, अगस्त) का राशन गट्टिकोना पहुंचाया गया।

इस वितरण प्रक्रिया में विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा परिवारों को चावल, चना, शक्कर एवं नमक सहित सभी आवश्यक खाद्य सामग्री को पहुंचाया गया। यह कार्यवाही मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत प्रदेशभर में पात्र हितग्राहियों को तीन माह का पीडीएस राशन एकमुश्त प्रदान किया जा रहा है। साथ ही दूरस्थ ग्रामों में राशन पहुंचाए जा रहे हैं।

प्रशासन की तत्परता और संवेदनशीलता से पहाड़ी कोरवा परिवारों ने राहत महसूस की, उन्होंने शासन-प्रशासन के प्रति आभार जताया। वहीं विभागीय अधिकारी भी शेष हितग्राहियों तक जल्द से जल्द राशन वितरण सुनिश्चित करने में जुटे हुए हैं।

गुजरात विमान हादसे में मृतकों की आत्मा की शांति के लिए भाजपा सरगुजा ने किया दीप प्रज्वलन और मौन श्रद्धांजलि

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जून 2025 (घटती-घटना)।

आज देर शाम विवेकानंद चौक, अंबिकापुर में भारतीय जनता पार्टी सरगुजा के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और नागरिकों द्वारा गुजरात में हुई दुखद विमान दुर्घटना में मृतकों की आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दीप प्रज्वलित कर तथा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

यह कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के आह्वान पर आयोजित किया गया, जिसमें सांसद चिंतामणि महाराज सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगतों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से मृत आत्माओं की शांति व उनके परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, जिला महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता, महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश केसरी, विकास पांडे, मधुसूदन शुक्ला, निलेश सिंह, रूपेश दुबे, मनोज कंसारी, निश्चल प्रताप सिंह, शैलेंद्र शर्मा, अशोक दुबे, संजू वर्मा, शरद सिन्हा, अनीश सिंह, नकुल सोनकर, रिंकू वर्मा, दूधनाथ गोस्वामी, अनिल तिवारी, मयंक जायसवाल, धनंजय मिश्रा, शंभु सोनी,

गोलू यादव, रंजीत चौबे सहित भाजपा के अन्य कार्यकर्ता, पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम भाजपा की संवेदनशीलता और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

AMBIKAPUR GG PAPER 14 JUNE 2025_Layout 2 6/13/2025 11:33 PM Page 5

भैयाथान तहसीलदार मामले में

दैनिक घटती-घटना के खबर का बड़ा असर

सरगुजा संभागायुक्त ने तहसीलदार को किया निलंबित

निलंबित होने के बाद भी तहसीलदार बैक डेट पर कुछ मामले का कर सकते हैं निपटाराःसूत्र

संभागायुक्त का तहसीलदार पर बड़ी कार्यवाही शिकायतकर्ता के शिकायत पर तत्काल लिया संज्ञान

तहसीलदार संजय राठौर निलंबित, शिकायतकर्ता को मृत दिखाकर किया गया था भूमि का अनुचित नामांतरण

भैयाथान तहसील में पदस्थ रहते हुए विवादित मामले का निपटारा करते हुए प्रतिफल अनुसार 30 डिसमिल जमीन अपने पत्नी के नाम खरीदे का लगा है आरोप

घटती घटना | सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार | अम्बिकापुर, गुरुवार 12 जून 2025 | 6

क्या तहसीलदार संजय राठौर जिस किसी के मामले का निपटारा करते उसे प्रतिफल स्वरूप अपनी पत्नी के नाम जमीन करवा लेते हैं?

भैयाथान तहसील में पदस्थ रहते हुए विवादित मामले का निपटारा करते हुए प्रतिफल अनुसार 30 डिसमिल जमीन अपने पत्नी के नाम खरीदने का लगा आरोप

संजय राठौर तहसीलदार कोई भी काम बिना मुनाफा के नहीं करते...मुनाफा भी लाखों में नहीं कई लाखों में होता है...

तहसीलदार संजय राठौर के विरुद्ध विभागीय जांच करने की रही मांग सबसे भ्रष्ट अधिकारियों में हो चुके हैं शुमार

भैयाथान तहसील कार्यालय से हटकर सरगुजा कमिश्नर से टीम गठित कर जांच करने की उठ रही मांग...

तहसीलदार संजय राठौर का एक और कारनामा उजागर,कलेक्टर जनदर्शन में हुई शिकायत

एक तरफा बंटवारा करने बदले बेस कीमती जमीन अपनी पत्नी के नाम करवाया

जिस तहसील कार्यालय में पदस्थ होते हैं उसी तहसील कार्यालय के आसपास काफी कीमती जमीन अपने पत्नी के नाम कर लेते हैं,वह भी कौड़ियों के भाव कैसे?

न्यायालय तहसीलदार भैयाथान

खबर का असर

तहसीलदार साहब ने किसी प्रकरण के बाद 30 डिसमिल जमीन अपने पत्नी के नाम करवाया?

शिकायत की जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर सरगुजा संभागायुक्त ने किया सख्त करवाई

संजय राठौर तहसीलदार कोई भी काम बिना मुनाफा के नहीं करते...मुनाफा भी लाखों में नहीं कई लाखों में होता है

तहसीलदार संजय राठौर के विरुद्ध विभागीय जांच भी हुई

-शमरोज खान-

सुरजपुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)। भैयाथान तहसीलदार संजय राठौर काफी सुर्खियों में थे और अपनी गलत कार्य प्रणालियों की वजह से उनकी शिकायत भी हो रही थी उन्होंने एक जमीन मामले को निपटारा करने के बदले में अपनी पत्नी के नाम जमीन भी खरीद लिया था जिस खबर को दैनिक घटती-घटना लगातार प्रकाशित कर रहा था, खबर प्रकाशन के बाद अब संभागायुक्त ने उस मामले पर संज्ञान लेते हुए तत्काल संजय राठौर को प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

आपको बता दे की जिला सूरजपुर के ग्राम कोयलारी,तहसील भैयाथान की निवासी शैल कुमारी दुबे द्वारा की गई गंभीर शिकायत पर कार्यवाही करते हुए, संभागायुक्त श्री नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने तहसीलदार श्री संजय राठौर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आवेदिका शैल कुमारी दुबे ने दिनांक 26 मई 2025 को शिकायत प्रस्तुत कर बताया कि तहसीलदार संजय राठौर द्वारा सांठगांठ कर उन्हें मृत दर्शाते हुए उनकी निजी स्वामित्व की भूमि (खसरा क्रमांक 45/3, रकबा 0.405 हे.) जिसका रिनंबरिंग में नया खसरा नंबर 344 है, जिसका अनुचित नामांतरण और विक्रय किया गया। आवेदिका की शिकायत पर अपर कलेक्टर सूरजपुर एवं तहसीलदार लटोरी की संयुक्त टीम द्वारा जांच की गई। जांच रिपोर्ट क्रमांक 99/अ.कले./2025, दिनांक 09.06.2025 के अनुसार श्री संजय राठौर द्वारा जीवित आवेदिका को मृत बताकर उनकी भूमि का नामांतरण सौतेले पुत्र श्री वीरेन्द्रनाथ दुबे के पक्ष में किया गया, जोकि प्रथम दृष्टया अनैतिक माना गया। प्रारंभिक जांच में श्री राठौर को अपने पदीय दायित्वों के प्रति गंभीर लापरवाही और स्वेच्छाचारिता का दोषी पाए जाने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम-3 का उल्लंघन माना गया है। फलस्वरूप, उन्हें छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के तहत नियम 9(1)(क) के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में श्री राठौर को नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी, तथा इस अवधि के लिए उनका मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर,बलरामपुर-रामानुजगंज नियत किया गया है।

तहसीलदार साहब ने किसी प्रकरण के बाद 30 डिसमिल जमीन अपने पत्नी के नाम करवाया?

तहसीलदार साहब जहां-जहां पर फैसला सुनाते हैं वहां वहां पर जमीन अपने नाम कर लेते हैं ऐसा शिकायतकर्ताओं का आरोप है 30 डिसमिल जमीन उन्होंने अपने पत्नी के नाम करवाया कुल मिलाकर भैयाथान तहसील कार्यालय में रहते हुए, इस बारे में कोईलारी गांव से उक्त भूमि संबंधी जानकारी चाही तो पता चला की 19/1 जिसमें तहसीलदार साहब ने अपनी पत्नी के नाम 30 डिसमिल जमीन ली है वह भैयाथान पटना मुख्य मार्ग से लगा हुआ है और जिसका बाजार मूल्य लगभग एक लाख रुपए डिसमिल है। फर्द बंटवारा प्रपत्र को भी लेकर आवेदकों ने तहसीलदार साहब पर आरोप लगाते हुए बताया है कि फर्द बंटवारा सीट पर वास्तविक खातेदारों के हस्ताक्षर ही नहीं हैं और जो है वह भी फर्जी हस्ताक्षर हैं वहीं साथ में यह भी लिखा है की तहसील कार्यालय के ऑर्डर शीट और फर्द बंटवारा में देवचंद दुबे, त्रिनेत्र दुबे, उपेंद्र का सहमति में हस्ताक्षर लेकर फर्द बंटवारा किया गया है जो कि संबंधित जमीनों के खातेदार ही नहीं है।

30 डिसमिल जमीन 189500 में तहसीलदार अपने पत्नी के नाम खरीदा

तहसीलदार संजय राठौड़ ने 30 डिसमिल जमीन 189500 में खरीद जिसके बाद यह सवाल उठने लगा कि आखिर इतनी सस्ती जमीन कहां मिल रही है? जबकि जिस जमीन को उन्होंने खरीदा है वह जमीन बेस कीमती है उस जमीन का बाजार भाव तकरीबन 2 लाख से ऊपर का बताया जा रहा है ऐसे में 189500 में जमीन को खरीद कर क्या तहसीलदार ने यह बता दिया कि वह जमीन पानी के भाव थी आखिर इतनी सस्ती जमीन क्या भारत के भैयाथान क्षेत्र में ही मिलती है? यदि जमीन के दाम की बात की जाए तो 6316 डिसमिल में यह जमीन खरीदी गई है इस रेट को देखकर शायद कलेक्टर भी अपना माथा पकड़ ले।

रजिस्ट्री के तुरंत बाद उसी दिन हुआ नामांतरण

यदि आम आदमी जमीन खरीदता है तो उसके नामांतरण में दिन क्या महीने लग जाते हैं, पर वही जब तहसीलदार को अपनी पत्नी के नाम जमीन ख़रीदा तो यह जमीन एक दिन में ही उनके नाम हो गई, आखिर अपने पावर का उपयोग उन्होंने कैसा किया? अब इस बात से आप अंदाजा लगा सकते हैं अपने पावर का दुरुपयोग ही इन्होंने किया है यह कहना गलत नहीं होगा। क्या भैयाथान तहसीलदार बनते उनके हाथ जैकपोट लगा गया, आखिर यह जमीन जो खरीदी गई इतनी कम पैसे में खरदी गई है की रजिस्ट्री में देखा जा सकता है, क्या इसका दर इसलिए कम किया गया है ताकि नगद भुगतान दिखा सके या फिर वह भी इन्हें उपहार में मिली रही? लोगों का कहना है कि तहसीलदार साहब सभी को ऐसे जमीन बताएं जो 6 हजार 300 रूपए डिसमिल में लोगों को मिल जाए।

उन व्यक्तियों का भी हस्ताक्षर करवा लिया है जो सम्मिलित खाता में नहीं है जिनका कोई अधिकार नहीं

आवेदकों ने बंशवृक्ष लगाया है जिसमें उल्लेख किया है जिस भूमि का यह मामला है वह भूमि क्षेत्र के गणमान्य विद्वत ब्राह्मण पण्डित बालगोविन्द दुबे के वंशजों की है जिसके वास्तविक उत्तराधिकारियों को सूचना तक नहीं दी गई, सहमति लेना तो बहुत ही दूरगामी विषय है वहीं आवेदकों ने अपने आवेदन में यह भी लिखा है की कुछ उत्तराधिकारियों के फर्जी पता सहित फर्जी हस्ताक्षर संजय राठौर के विश्वसनीय दलाल ने किया है साथ ही यह भी आरोप लगाया है की फर्द बंटवारा में उन व्यक्तियों के भी हस्ताक्षर हैं जो न इस सम्मिलात भूमि के खातेदार हैं,न ही हकदार, सम्मिलात खाते सम्बन्धित दो प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में विचाराधीन हैं जिसमें पक्षकार महेन्द्र दुबे वगैरह प्रति गंगा देवी वगैरह के प्रमुख पक्षकार महेन्द्र दुबे सहित उनके भाईयों को इस बंटवारा में सम्मिलित करना संजय राठौर ने उचित नहीं समझा और न ही उन्हें एक इंच भूमि ही इस बंटवारा में दिया है, आवेदन में लिखा है कि विरेन्द्र दुबे,देवीप्रसाद दुबे ,शिवम दुबे सहित अन्यों को एकतरफा भूमि लाभ देकर देवचन्द दुबे के सहयोग से प्रकरण के अन्तिम आदेश देने से पूर्व प्रकरण के विचाराधीन स्थिति में रहते हुए तीस डिसमिल भूमि शारदा राठौर के नाम प्राप्त करने के बाद ही संजय राठौर ने अन्तिम आदेश दिया ।बंटवारा का अन्तिम आदेश 07/03/2025 को होता है और उससे पूर्व ही 05/02/2025 को सम्मिलात खाते की ही भूमि जिसका खसरा नम्बर 19/1 है उसमें से तीस डिसमिल भूमि अपनी पत्नी शारदा राठौर के नाम से रजिस्ट्री करा लेते हैं, एकतरफा बंटवारा प्रकरण में लाभप्राप्ति पश्चात ही वे रिकार्ड दुरुस्ती का ज्ञापन देते हैं।

विभागीय जांच भी हो गई शुरू

संजय राठौर के विरुद्ध विभागीय जांच भी शुरू हो चुकी है अब इस शिकायत के मामले में जो जांच रिपोर्ट आएगी,उस पर आगे की कार्यवाही की जाएगी, अभी फिलहाल प्रथम दृष्टि दोषी पाए जाने पर निलंबित कर दिया गया है पर जानकारों का मानना है कि इस मामले में बड़ी गड़बड़ी हुई है और इस मामले में तहसीलदार पर बड़ी कार्यवाही से गुजरना पड़ सकता है, तहसीलदार के कई पैसे लेनदेन के ऑडियो भी मौजूद है जो बहुत जल्द सामने आ सकता है वैसे तहसीलदार ने लगभग अपने प्रकरणों में न्याय प्रभावित करने वाले कार्यवाही की है अब उनके हटन के बाद कई सारे और नई शिकायतें आ सकती है जिस पर भी विभागीय जांच होगा, वहीं यह भी कहा जा रहा है कि सरगुजा आयुक्त इस मामले को लेकर काफी गंभीर है और दोषी पाए जाने पर इससे भी बड़ी कार्रवाई करेंगे।

निलंबित होने के बाद भी बैक डेट पर कुछ मामले निपटाएंगे

सूत्रों का दावा है कि संजय राठौर निलंबित होने के बाद भी बैक डेट पर कुछ मामले निपटाएंगे क्योंकि वह ऐसे मामले हैं जिसमें वह पैसा ले चुके हैं और उस मामले को निपटाना उनके लिए अब काफी जरूरी हो चुका है जैसे ही उन मामलों को निपटाएंगे उसके बाद फिर से शिकायत की स्थिति निर्मित होगी, क्योंकि जो काम वह निपटान जा रहे हैं वह नियम विरुद्ध है जिसके लिए उन्होंने खूब पैसे भी लिए हैं ऐसे एक नहीं दर्जनों प्रकरण इस पर भी सूरजपुर कलेक्टर सहित संभाग आयुक्त को ध्यान देने योग तथ्य है।

यह है पूरा मामला...

भैयाथान तहसील कार्यालय इन दिन सुर्खियों में छाया हुआ है जिसके मुख्य किरदार तहसील कार्यालय में विद्यमान तहसीलदार साहब और उनके कुछ विश्वसनीय भूमि दलाल है जो कि अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए भोले भाले भूमि स्वामियों को रातों रात भूमिहीन कर देते है। सामूहिक खाते के हिस्से की जमीन से हिस्सेदारों का नाम गायब कर फर्द बंटवारा करके अपने विश्वसनीय भूमि दलालों व अपनी पत्नी के नाम जमीन करा लेते हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जिसमें कलेक्टर जनदर्शन में आया है जिसमें भी वर्तमान में सर्वाधिक विवादास्पद तहसीलदार संजय राठौर का नाम जुड़ा हुआ है, जिस मामले को लेकर जिला के आला आधिकारी भी सकते में आ गए है और अपने अधीनस्थ अधिकारी के कारनामों के बारे में कुछ भी बोलने में असहज लग रहे है, कलेक्टर जनदर्शन में महेन्द्र दुबे, सतीश दुबे, रविशंकर दुबे, राजेश दुबे ,रामकृपाल दुबे ने तहसीलदार संजय राठौर और अन्यों पर इतने गम्भीर आरोप प्रमाण सहित लगाये हैं जिससे जिला प्रशासन भी सकते में आ गया है। आवेदकों ने अपने आवेदन में उल्लेख किया है कि उनकी सम्मिलात खाते की भूमि ग्राम कोयलारी, तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर में स्थित है और इसके बंटवारा विषयक प्रकरण माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में विचाराधीन हैं, इसके बावजूद भी तहसीलदार संजय राठौर ने बहुमूल्य भूमि के लालच में एक कथित आपसी समझौता के आधार पर और उसमें भी कुछ के फर्जी हस्ताक्षर, फर्जी पता दिखाकर अपने चहेतों को अधिक भूमि लाभ देते हुये उनके पक्ष में एकतरफा बंटवारा आदेश दे दिया, और बदले में पुरुस्कार स्वरूप तीस डिसमिल भूमि अपनी पत्नि शारदा राठौर के नाम अन्तिम आदेश दिनांक 07-03-2025 से पूर्व ही 05-02 -2025 को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के माध्यम से प्राप्त कर ली, इसके बाद यह सवाल उठने लगा कि क्या तहसीलदार साहब उच्च न्यायालय से भी ऊपर हो गए हैं उन्हें उच्च न्यायालय का भी डर नहीं है क्या उन्होंने उच्च न्यायालय की अवहेलना की है?

डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने ली जनरल परेड की सलामी

-संवाददाता-

सूरजपुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)। पुलिस लाईन में शुक्रवार, 13 जून 2025 को आयोजित जनरल परेड की सलामी डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने ली और उन्होंने निरीक्षण के दौरान जवानों के वेशभूषा को देखा। अच्छे वेशभूषा और बेहतर परेड़ कमाण्ड करने वाले 56 जवानों को पुरस्कृत किया साथ ही टर्न आउट ठीक नहीं होने पर 03 को सजा एवं 7 को चेतावनी दी। स्क्वार्ड ड्रिल के लिए प्रत्येक टोली को परेड कराने की जिम्मेदारी डीएसपी व एसडीओपी को सौंपी गई जिन्हें बेहतर कमाण्ड के साथ परेड़ कराया।

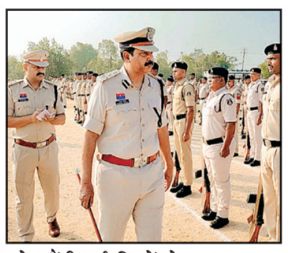

डीआईजी व एसएसपी ने पुलिस जवानों से चर्चा कर कहा कि आमजनता की सेवा और सुरक्षा करने के लिए हमें फिट रहना होगा तभी हम अच्छे से ड्यूटी कर पायेंगे, फिटनकेश के लिए परेड एक अच्छा माध्यम है। विभागीय दायित्वों के साथ ही खुद की फिटनेश के लिए थोड़ा समय दें और नियमित रूप से हेल्थ चेकअप कराते रहे। इस दौरान उन्होंने जवानों की समस्याओं को सुना और निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, एसडीओपी प्रतापपुर सौरभ उईके, डीएसपी अनूप एक्का, डीएसपी अजाक पी.डी.कुजूर, रक्षित निरीक्षक अशोक गिरी, जिले के थाना-चौकी प्रभारी सहित विभिन्न थाना-चौकी व रक्षित केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

नवीन आपराधिक कानून के संबंध में दिया गया प्रशिक्षण

नशा मुक्त सूरजपुर बनाने के लिए दिलाई गई शपथ

-संवाददाता-

सूरजपुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)। पुलिस विभाग द्वारा आज ऑडिटोरियम हॉल सूरजपुर में नवीन आपराधिक कानून पर जिले में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।

आज मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला आयुर्वेद अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, रा.स्वा.मिशन, उपसंचालक, समाज कल्याण,उप संचालक, पंचायत,जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा,प्राचार्य,शास,स्नातकोत्तर महा विद्यालय, सूरजपुर ,सहायक आयुक्त,आदिवासी विकास, परियोजना प्रशासक, एकीकृत, उप पंजीयक, उपायुक्त,सहकारी संस्थाएं, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अंत्यावसायी, प्रबंध संचालक/महाप्रबंधक,शक्कर कारखाना,खनिज अधिकारी,आबकारी अधिकारी,जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, श्रम अधिकारी,उप संचालक, कृषि, प्रबंधक बीज विकास निगम,भू-संरक्षण अधिकारी,सहायक संचालक, उद्यान,उप संचालक,पशु चिकित्सा, सहायक संचालक,मत्स्य, रेशम अधिकारी, कोषालय अधिकारी,महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र,सहायक संचालक,जनसम्पर्क,खाद्य अधिकारी,जिला प्रबंधक,नागरिक आपूर्ति निगम,नोडल अधिकारी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक,जिला विपणन अधिकारी,नापतौल निरीक्षक,खाद्य सुरक्षा अधिकारी,औद्याधि निरीक्षक,सहायक संचालक,खादी एवं ग्रामोद्योग, सिटी मिशन प्रबंधक एवं सिटी मि. प्रबंधन इकाई सहित कुल 37 विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान एसएसपी सूरजपुर द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशा मुक्त सूरजपुर बनाने के लिए शपथ दिलाया गया।

सूचना

सूचित किया जाता है कि हमारे फर्म बाबा बच्छराज कुंवर कंस्ट्रक्शन पंजीकृत कार्यालय रिंग रोड नमना कला अम्बिकापुर सरगुजा छत्तीसगढ़ से दिनांक 13 जून 2025 से पार्टनर श्री शैलेश कुमार गुप्ता पार्टनरशिप से बाहर हो गए हैं अथवा फर्म में भागीदार नहीं है और श्री राकेश कुमार गुप्ता इस फर्म में नए पार्टनर के रूप में सम्मिलित किए गए हैं।

बाबा बच्छराज कुंवर कंस्ट्रक्शन
पंजीकृत कार्यालय रिंग रोड
नमना कला,अम्बिकापुर
सरगुजा,छत्तीसगढ़

C M Y K

संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन
घटती घटना
सूरजपुर-कोरबा-सरगुजा-समाचार
अम्बिकापुर, शनिवार 14 जून 2025

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने नही दर्ज किया अपराध तो न्यायालय का पीड़ित ने लिया शरण, अपराध दर्ज होने के बाद क्या अब फिर होगी गिरफ्तारी?

न्यायालय के आदेश के बाद अशफाक उल्लाह पर एक और अपराध दर्ज

पूरा परिवार ही था ठगी गिरोह?

शिकायतकर्ता ने उन्हें जब विस्तार से समझाने को कहा तो उपरोक्त जरीफ,अशफाक, आशिया बेगम,शाहरूख खान,रजिया, माहिनूर, नूरजहान,छुटकन,रहमत उल्ला,सभी ने मुझे समझाया कि यदि उपरोक्त भूमि कि कीमत के समतुल्य राशि में एकत्र करके उन्हे देता हूँ तो उस पर वे 17 प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज देंगे, जिसमें मेरा पैसा पांच माह में दुगुना हो जायेगा। इस तरह ब्याज से प्राप्त राशि से ही भूमि की कीमत निकल जायेगी और मेरा मूलधन सुरक्षित रहेगा,जिससे मैं कर्जदाताओं को लौटाकर कर्ज मुक्त हो जाऊँगा तथा मुझे जमीन भी मिल जायेगी। मुझे विश्वास दिलाने के लिये यह कहा कि आप सीधे हमें पैसे मत सौंपिये आप हमारे द्वारा सुझाये गये लोगों के एकाउण्ट में पैसा जमा कर के हमें सिर्फ रसीद दिखाइये, हम अपने खाते में उतनी राशि आपके द्वारा प्राप्त हुआ मान लेंगे। मैंने पूछा कि, मैं दूसरे व्यक्तियों के खाते में पैसा क्यों डालूँ? तो अशफाक और जरीफ ने समझाया कि हम लोग ऐसा करके आपको यह दिखाना चाहते हैं कि, जिनके भी प्रति हमारी देन-दारी है उन्हे हम ईमानदारी से पैसे लौटाते है। आप जिन व्यक्तियों के खाते में पैसे डालेंगे, वस्तुतः वह उन व्यक्तियों को, हमारे द्वारा दिया जाने वाला रकम होगा। वे व्यक्ति यह मान लेंगे कि उन्हे जरीफ, अशफाक से पैसे मिल गये और हम यह मान लेंगे कि हमें अपने ने पैसे दिये हैं। उनके द्वारा समझाये गये स्कीम पर विश्वास करके मैंने अपने नजदीकी रिश्तेदारों से पैसे एकत्र कर-कर के जनवरी 2024 से मई 2024 तक अशफाक एवं जरीफ तथा उनके सहयोंगियों के कहने पर उनके द्वारा निर्देशित व्यक्तियों के खाते में हमने पैसे ट्रांसफर किये।

-शमरोज खान-

सूरजपुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)। सैकड़ो लोगों को रोड पर लाने वाला संभाग का सबसे बड़ा ठग अशफाक उल्लाह को बचाने के लिए कानूनी दाव पेच खेला गया था लंबा संरक्षण दिया गया था,यदि लंबा संरक्षण नहीं मिला होता तो अशफ़ाक उल्लाह व उसके परिवार से ठगे जाने वाले सैकड़ो लोगों को ठगी से बचाया जा सकता था,पर अशफाक के पैसे में इतना दम था कि उसे संरक्षण मिलता रहा और बड़े पैमाने पर लोग ठगी का शिकार होते रहे और उसके बातों में आते रहे, सिर्फ एक अखबार ने सभी को यह बात बताया कि वह ठगी के शिकार हो रहे हैं या फिर हो चुके हैं पर उस अखबार की खबरों पर भी लोगों ने विश्वास नहीं किया अंततः स्थिति यह रही कि अखबार की खबर ही सही निकली और सैकड़ो लोगों ने अपने ठगे जाने की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई,शिकायतों पर प्राथमिकी दर्ज हुई तो कई शिकायतें उसी में जोड़ दिया गया,एक ऐसा ही शिकायतकर्ता जिससे लगभग एक करोड़ की ठगी हुई थी उसकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज अलग से नहीं किया जा रहा था इसके बाद उसने न्यायालय की शरण लेकर वहां से अशफ़ाक उल्लाह के ऊपर अपराध दर्ज करने का आदेश कराया इसके बाद एफआईआर दर्ज हुई।

फाईल फोटो

आपको बता दें कि बसदेई चौकी इलाके के शिवप्रसादनगर निवासी अशफाक उल्लाह ने नटवरलाल बनकर 150 से अधिक लोगो से करीब दस करोड़ रुपये की ठगी का खुलासा हुआ था, यह ऐसे आंकड़े हैं जो कम पैसे वालों के है, कुछ आंकड़े तो बदनामी का चादर ओढ़े लोगों ने कम कर दिया और वही कुछ तो बंधुक के नाली व अपने दम पर पैसे लेने का प्रयास किया कुछ लोग सफल भी हुए और कुछ लोग असफल भी हैं, पर अब वह अशफाक से पैसे नहीं ले पाएंगे इस वजह से वह इस बदनामी में उनका नाम ना आए इस कारण वह पुलिस के दहलीज पर नहीं पहुंच पाए, यदि इन लोग भी पुलिस के दहलीज पर हिम्मत जुटाकर पहुंच जाते तो शायद ठगी का आंकड़ा 50 करोड़ से ऊपर जा सकता था, वैसे जानकारों का मानना है की ठगी का आंकड़ा 200 करोड़ का हो सकता है पर शिकायत ना आने की वजह से यह आंकड़े अभी भी छुपे हुए हैं, पर धीरे-धीरे कर आंकड़े सामने आ रहे हैं, अशफाक व उनके पिता भले ही जेल में है, पर शिकायत व अपराध दर्ज होने की प्रक्रिया लगातार जारी है, सूरजपुर के एक कारोबारी से 95 लाख रुपये की ठगी के मामले में एक बार फिर ठगी के मास्टरमाइंड अशफाक उल्लाह,उसके पिता समेत उसके सिंडिकेट के आठ सदस्यों के विरुद्ध ठगी का अपराध दर्ज हुआ है। आरोपित अभी भी जेल में है, इन्होंने शिकायत पुलिस के पास की थी पर शिकायतकर्ता की शिकायत पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से मना कर दिया था इसके बाद उन्होंने अपना अलग से एफआईआर दर्ज करने के लिए न्यायालय का शरण लिया।

इन्होंने लिया न्यायालय का शरण तब हुआ एक और अपराध दर्ज

इस बार नगर के मेनरोड निवासी दिनेश जैन पिता प्यारेलाल जैन द्वारा दायर परिवाद पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश के तहत कोतवाली पुलिस ने करोड़ो की ठगी के आरोपित अशफाक उल्लाह समेत उसके पिता जरीफ उल्लाह,उसकी मां नूरजहां,माहिनूर पति रहमत उल्लाह निवासी शिवप्रसादनगर के अलावा शाहरुख खान पिता इनायत उल्लाह व उसकी पत्नी रजिया खातून निवासी ग्राम करौंदामुड़ा थाना झिलमिली तथा छूटकन उर्फ नजीर हुसैन व उसकी पत्नी आशिया बेगम निवासी ग्राम सोनपुर के विरुद्ध आईपीसी की धारा 420, 467, 468, 120 बी, 34 के तहत अपराध दर्ज किया है।

ऐसे हुए ठगी का शिकार

ठगी के शिकार कारोबारी के मुताबिक जरीफ उल्लाह से उसकी पहचान दो दशक से थी। जनवरी 2024 में उसकी पुत्री कोमल की सहेली सदफ से जरीफ उल्लाह के पुत्र अशफाक उल्लाह की शादी तय हुई, तो अशफाक उसके घर आने जाने लगा। उसी दौरान जरीफ उल्लाह ने कहा कि हम सभी सामूहिक रूप से अडानी ट्रेडिंग कम्पनी के नाम से काम करते है और हमारी कम्पनी में इनवेस्ट करने वाले को दस प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज देते हैं। अशफाक ने कहा कि आप मुझे दस लाख रूपये दीजिए, मैं दस माह में आपका पैसा दुगुना करके दूंगा। विश्वास जीतने के लिए अशफाक ने अपनी मामी आशिया बेगम से भी बात कराई थी। तब उसने उसके झांसे में आकर 13 जनवरी 2024 को दस लाख रुपये उसके कहे मुताबिक आशिया बेगम के खाता में ट्रांसफर कर दिया। उसके बाद फिर उसके घर आये अशफाक ने कहा कि क्या आप लोग मानपुर मे जमीन क्रय करने की सोच रहे है। उसने कहा कि भूमि विक्रेता मेरे पिता जरीफ उल्लाह के खास मित्र है, उनसे ही मुझे पता चला है। तब मैंने कहा कि मै सोच तो रहा था, लेकिन विक्रेतां को अधिक दाम में जमीन का कोई अन्य खरीददार मिल गया है। अशफाक ने उससे कहा कि मैं आपको अभी भी वह जमीन दिला सकता हूँ। बस आप मेरे बताये अनुसार कार्य करें। उसने उक्त आरोपितों के साथ मुझे एक स्कीम बताई, कि यदि आप अडानी ट्रेडिग कम्पनी मे पैसे इन्वेस्ट करोगे तो उक्त भूमि को एक तरह से मुक्त मे प्राप्त कर लेंगे। आरोपितों ने कहा कि भूमि के समतुल्य रकम इन्वेस्ट करने पर उन्हें 17 प्रतिशत ब्याज प्रतिमाह मिलेगा। जिससे पांच माह में रकम डबल हो जाएगी और ब्याज की रकम से ही उक्त जमीन की खरीदी हो जाएगी।

आरोपी ने अपने बातों में ऐसा फसाया की 95 लाख ठग लिया

आरोपितों पर भरोसा कर उसने जनवरी 2024 से मई 2024 तक उनके बताए मुताबिक विभिन्न खातों में 95.05 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिये थे। उसके बाद राशि लौटाने पर तारीख पर तारीख देते रहा। चेक दिए थे, वह भी बाउंस हो गया।

पूर्व में दस करोड़ की ठगी की शिकायत आई थी थाने में

अशफाक सिंडिकेट के ठगी का राजफाश नवंबर माह में हुआ था। कोतवाली थाना सुरजपुर में तीन मामलों में 72 लाख रुपये की ठगी के मामले में अशफाक अली, उसके पिता जरीफ उल्लाह समेत सिंडिकेट के अन्य सदस्यों के खिलाफ चार सौ बीसी के तीन अलग अलग मामले दर्ज हुए थे। आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। उसके बाद कोतवाली अंबिकापुर में भी आरोपित अशफाक उल्लाह व अन्य के खिलाफ 73 लाख रुपये की ठगी का अपराध दर्ज कर जेल से उनकी गिरफ्तारी की गई थी।

जिसने कराई शादी उसी को अशफाक उल्लाह ने ठगा...

शिकायतकर्ता ने बताया की जरीफ उल्लाह से मेरी जान-पहचान विगत बीस वर्षों से है। अभी जनवरी 2024 में मेरी पुत्री की सहेली सदफ से जरीफ के पुत्र अशफाक उल्लाह की शादी फिक्स हुई तो, अशफाक भी हमारे घर आने और मिलने जुलने लगा और नजदीकीयां बढ़ा ली। इसी दौरान जरीफउल्लाह ने मुझसे कहा कि, हम उपरोक्त विषयांकित व्यक्ति सामूहिक रूप से अडानी ट्रेडिंग कम्पनी के नाम से काम करते है और हमारी कंपनी में इन्वेस्ट करने वाले को 17 प्रतिशत प्रतिमाह ब्याज देते हैं। अशफाक ने कहा कि मेरी शादी सदफ से हो रही है तो अंकल अब मैं आपका दूसरा बेटा बन गया हूँ, आप मुझे दस लाख रूपये दीजिये मैं दस माह में आपका पैसा दुगुना कर के दूंगा। मैं उसकी बातों में आ गया और उस पर विश्वास कर लिया। मेरा विश्वास जीतने के लिये अशफाक ने अपनी मामी आशिया बेगम से भी बात कराया तब मैं उनके कहे अनुसार दिनांक 13/01/2024 को दस लाख रूपये आशिया बेगम के खाता में ट्रांसफर कर दिया। उसी बीच अशफाक हमारे घर आया और कहा कि क्या आप लोग मानपुर में जमीन क्रय करने की सोच रहे हैं? उसने कहा कि भूमि विक्रेता मेरे पिता जरीफ के खास मित्र हैं। उनसे ही मुझे पता चला है, मैने कहा कि, मैं सोच तो रहा था लेकिन विक्रेता को कोई अन्य खरीददार मिल गया है, जो उस जमीन की कीमत दो करोड़ साठ लाख देने को तैयार है, इसलिये अब उक्त भूमि को खरीदना मेरी क्षमता से बाहर है। पहले भी मैं अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर ही खरीदने की सोचा था। इस पर अशफाक ने कहा कि मैं आपको अभी भी वह जमीन दिला सकता हूँ, बस आप मेरे बताये अनुसार कार्य करें। मेरे द्वारा पूछने पर उसने मुझे एक स्कीम बताया, उक्त सभी लोगों ने मुझे लगातार समझाया कि, यदि मैं उनके उक्त अडाणी ट्रेडिंग कम्पनी में पैसे इन्वेस्ट करता हूँ, तो उक्त भूमि को एक तरह से मुफ्त में प्राप्त कर लूंगा।

सहायक विकास विस्तार अधिकारी (एडीईओ) परीक्षा का आयोजन कल

-संवाददाता-

सूरजपुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा सहायक विकास विस्तार अधिकारी (एडीईओ) परीक्षा का आयोजन 15 जून दिन रविवार को आयोजित होना है। परीक्षा के सफल संपादन के लिए जिला संयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में केंद्राध्यक्षों और ऑब्जर्वरों की बैठक ली। बैठक में प्राचार्य डॉ एच.एन दुबे द्वारा उपस्थित जनो को छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल के गाइड लाईन के संबंध में जानकारी मुहैया कराई गई। साथ ही परीक्षार्थियों से अपील की गई कि सभी परीक्षार्थी अपने प्रवेश-पत्र पर दिए गए निर्देशों को भलीभांति पढ़ें, परीक्षा दिनांक को प्रवेश पत्र एवं ऐसे वैध पहचान पत्र की मूल प्रति (ओरिजिनल कॉपी) जिसमें परीक्षार्थी की फोटो स्पष्ट हो, के साथ निर्धारित समय से एक घंटा पूर्व परीक्षा केंद्र पर पहुंचे।

6 वर्षीय बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियो में मिली लाश,जांच मे जुटी पुलिस

-संवाददाता-

कोरबा,13 जून 2025 (घटती-घटना)। कोरबा जिले से लापता 6 वर्षीय मासूम पूनम पटेल की लाश हरदीबाजार क्षेत्र में एक कार से संदिग्ध परिस्थितियो में बरामद की गई। मासूम के शव के साथ घंटों तक गाड़ी में कथित आरोपी घूमते रहे। पुलिस की सघन नाकेबंदी और पीछा करने के बाद आखिरकार वे पकड़े गए है । इस मामले ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। जानकारी के अनुसार, बलौदा थाना क्षेत्र अंतर्गत बछौद मार्ग पर विगत शाम कुछ कार सवारों ने 6 वर्षीय मासूम बच्ची पूनम पटेल को टक्कर मार दी थी। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद किसी

परिजन के नहीं होने की स्थिति में कथित आरोपी युवकों ने खुद को मददगार दर्शाते हुए मासूम को इलाज के लिए चिकित्सालय ले जाने की बात कही। लेकिन इसके बाद वे मासूम को लेकर फरार हो गए। खोजबीन के दौरान जब परिजनों ने जब नजदीकी चिकित्सालयो में बच्ची का पता नहीं लगा, तो उसकी खोजबीन शुरू की गई। साथ ही पुलिस को गुमशुदगी और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना दी गई। बताया जा रहा है कि बच्ची की मृत्यु टक्कर के तुरंत बाद घटना स्थल पर ही हो गई थी, लेकिन कथित आरोपी डर के चलते शव के साथ इधर-उधर घूमते रहे। इतना ही नहीं, शव की दुर्गंध न फैले इसके लिए कार में पूरी रात एसी चलाकर रखा गया। वहीं हरदीबाजार पुलिस ने मामले मे तत्परता दिखाते हुए भिलाई बाजार के पास वाहन जांच के दौरान एक संदिग्ध सफेद रंग की कार को रोकने की कोशिश की, लेकिन चालक द्वारा भागने का प्रयास किया गया जिसपर संदेह होते ही पुलिस ने पीछा कर वाहन को रोका और तलाशी में बच्ची का शव बरामद किया । उक्त गंभीर घटना की जानकारी मिलते ही कोरबा जिला पुलिस अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फिलहाल पुलिस ने कार और कथित आरोपी को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मौत दुर्घटना में हुई या इसके पीछे कोई और कारण है। मौके पर फोरेंसिक एक्सपर्ट को भी बुलाया गया है। मृतका की पहचान बछौद निवासी बिट्टू पटेल की पुत्री पूनम पटेल 6 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है जिससे परिवार को उचित न्याय मिल सके।

कल समस्त स्कूल बसों का किया जायेगा निरीक्षण

-संवाददाता-

सूरजपुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)। नवीन शिक्षा सत्र 2025-26 के लिए आगामी 16 जून से स्कूल प्रारंभ हो रहा हैं। सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी के निर्देश के परिपालन में 16 बिन्दुओं की शत-प्रतिशत अनुपालन हेतु स्कूल बसों की जांच की जानी हैं। स्कूल में संचालित समस्त स्कूल बसों को 16 बिन्दुओं के आधार पर निरीक्षण कराने एवं वाहन के समस्त मूल दस्तावेज, चालक अनुज्ञप्ति सहित 15 जून दिन रविवार को प्रातः 10 बजे से जिला परिवहन कार्यालय सूरजपुर में उपस्थित कराना सुनिश्चित करें।

जिला स्तरीय खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन

समापन के अवसर पर नशामुक्ति करने हेतु संकल्प का संदेश भी दिया

-संवाददाता-

सूरजपुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)।

विगत दिवस को मंगल भवन सूरजपुर में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन, डीप्टी कलेक्टर श्री सुनील अग्रवाल, श्री भीमसेन अग्रवाल, जिलाध्यक्ष फुटबॉल संघ व पूर्व अध्यक्ष पाठ्य पुस्तक निगम, श्री अनिल गोयल, जिलाध्यक्ष बैंडमिंटन संघ श्रीमती सुमित्रा सिंह सरपंच रूनियाडिह, श्रीमती वेनेदित्ता तिर्की, उप संचालक, समाज एवं महिला कल्याण विभाग उपस्थिति में किया गया।

खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय ने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार 30 दिवसीय जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग सूरजपुर के संयुक्त तत्वाधान में किया जाना था। इस प्रशिक्षण शिविर में कुल 10 खेल विधा जैसे कबड्डी,खो-खो,वॉलीबाल, फुटबॉल,ताईक्वांडो,वुशू,कराटे, बैडमिंटन, एथलेटिक्स व स्विमिंग का प्रतिदिन प्रातः 6 से 8 एवं सायं 5 से 7 बजे तक निःशुल्क प्रशिक्षण कुशल प्रशिक्षकों के माध्यम से दिया गया। जिला स्तरीय खेल प्रशिक्षण शिविर में कुल 353 प्रतिभागियों ने भाग लिया। समापन अवसर पर सभी खेल विधाओं के प्रशिक्षकों जिसमें स्विमिंग के प्रशिक्षक वेद राजवाड़े व राज देवांगन,कबड्डी के प्रशिक्षक सहदेव राम रवि व सीमांचल त्रिपाठी वॉलीबॉल के प्रशिक्षक राजनाथ गुप्ता व भागीरथी, खो-खो के प्रशिक्षक बालेन्द्र साहू, वुशू के प्रशिक्षक लालजी यादव, कराटे के प्रशिक्षक निमेश,बैडमिंटन के प्रशिक्षक सोमेश लामा, फुटबॉल के प्रशिक्षक राम बहादुर लामा व प्रकाश गुप्ता,एथलेटिक्स के प्रशिक्षक नरेश कुशवाहा व अशलेश कुमार को कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन एवं डिप्टी कलेक्टर सुनील अग्रवाल द्वारा सेवा सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिसमें स्विमिंग से निलेश राजवाड़े व फलक मनसुरी, कबड्डी से अभिषेक विश्वकर्मा व फुलकुवंर, वॉलीबाल से बादल देवांगन व लक्ष्मी राजवाड़े, खो-खो से कान्हा गुप्ता व इशिका कुजूर,ताईक्वांडो से कृश राजवाड़े व लक्ष्मी ताम्रकर,वुशू से युराज यादव व दिक्षा सिंह, कराटे से भरत आंडिल्य व रिता सिंह, बैडमिंटन से अभिनव निगम व तेजस्विनी सिहं, फुटबॉल से संदिप व कु.सौम्या राजवाडे तथा एथलेटिक्स से हिमेष राजवाड़े व पायल राजवाड़े को प्रशिक्षण शिविर के दौरान अनुशासन में रहकर अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र एवं टी-शर्ट से सम्मानित किया गया तथा शेष समस्त प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

बालको ने कर्मचारियों के परिवारों को दिखाया विश्वस्तरीय एल्यूमिनियम उत्पादन प्रक्रिया

-संवाददाता-

सूरजपुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)।

वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने अपने कर्मचारियों के लिए चार-दिवसीय फैमिली ड्राइव का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों के परिवारजनों को एल्यूमिनियम उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव कराना था, जिससे उनके मन में संगठन के प्रति जुड़ाव और गर्व की भावना उत्पन्न हो सके। इस पहल के तहत परिवार के लोगों को संयंत्र का समग्र भ्रमण कराया गया। यात्रा की शुरुआत सेंट्रलाइज्ड सिक्योरिटी ऑपरेशन्स सेंटर (सीएसओसी) में सुरक्षा ब्रीफिंग से हुई, जहां उन्हें बालको द्वारा अपनाई गई अत्याधुनिक सुरक्षा प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। इसके बाद उन्होंने पॉटलाइन में एल्युमिना पाउडर को पिघले हुए धातु (एल्यूमिनियम) के रूप में देखा। इसके साथ ही उन्हें कार्बन एनोड के उत्पादन के बारे में भी बताया जो एल्यूमिनियम उत्पादन प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा है। 1200 मेगावॉट के पावर प्लांट का दौरा भी कराया गया,जहां से संपूर्ण संयंत्र को ऊर्जा प्रदान की जाती है। यात्रा का समापन कास्ट हाउस में हुआ जहां पिघला हुआ एल्यूमिनियम विभिन्न तैयार उत्पाद जैसे इनगॉट्स, रोल्ड प्रोडक्ट्स, वायर रॉड्स और प्राइमरी फाउंड्री अलॉय में परिवर्तित किया जाता है जो विभिन्न प्रमुख उद्योगों में अहम भूमिका निभाते हैं। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री राजेश कुमार ने कहा कि बालको में हम मानते हैं कि हमारी असली शक्ति हमारे कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवारों के अटूट समर्थन में भी है। हमारा विस्तारित बालको परिवार वह भावनात्मक आधार है जो हमारे कार्यबल को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। हम इस योगदान को अत्यधिक महत्व देते हैं और एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो समग्र कल्याण, कार्य-जीवन संतुलन और एक साझा उद्देश्य को प्रोत्साहित करती है।

मजबूत विवेचना में समय जरूर लग रहा किन्तु वह पीड़ित को न्याय दिलाने में हो रहा कारगर-डीआईजी/एसएसपी

सूरजपुर पुलिस द्वारा आयोजित नवीन कानूनों के प्रशिक्षण सत्र में जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों को किया गया प्रशिक्षित

-संवाददाता-

सूरजपुर,13 जून 2025 (घटती-घटना)।

नए कानूनों के क्रियान्वयन में पुलिस तत्परता से कार्य कर रही है, कई कार्यवाहियों में डिजिटल एविडेंस, विडियोग्राफी,फोटोग्राफी सहित अन्य कार्यो में मजबूत विवेचना के लिए समय जरूर लग रहा है किन्तु वह पीड़ित को न्याय दिलाने में सार्थक साबित हो रहा है। अपराध की विवेचना में पुलिस के साथ ही प्रशासन के विभागों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है, सभी के समन्वय से साक्ष्य संकलन कर अभियोग पत्र माननीय न्यायालय में पेश करने से दोषसिद्धि शत-प्रतिशत होगी है,उक्त बाते डीआईजी व एसएसपी सूरजपुर श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने शुक्रवार,13 जून 2025 को स्थानीय ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित नवीन कानूनों के प्रशिक्षण सत्र के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि नए कानून की जानकारी हर किसी को होनी चाहिए, व्यक्ति को अपने अधिकार और सुरक्षा के लिए बनाए गए नए कानूनों की जानकारी होगा तो कहीं भी पीछे नहीं रहेगा। इन प्रशिक्षणों का उद्धेश्य सभी को नवीन आपराधिक कानूनों का प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाना है। कलेक्टर सूरजपुर श्री एस. जयवर्धन के द्वारा पुलिस विभाग द्वारा आयोजित नवीन आपराधिक कानूनों के प्रशिक्षण में जिले के सभी विभाग प्रमुखों, अधिनस्थ सभी कर्मचारियों को सम्मिलित होकर प्रशिक्षण लेने के निर्देश भी जारी किए है। प्रशिक्षण में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, मास्टर्स ट्रेनर एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी,डीएसपी रितेश चौधरी, एसआई विराट विशि ने नवीन कानूनों,अपराध विवेचना एवं नए बदलाव के बारे में विस्तार से बताया। शुक्रवार को प्रशिक्षण में शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग,परियोजना,उपपंजीयक, श्रम,रेशम सहित अन्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी,पुलिस विभाग के अधिकारी व जवान मौजूद रहे। प्रशिक्षण सत्र के दौरान जिला पुलिस की नशे के विरूद्ध जन जागरूकता अभियान नवजीवन के तहत प्रशासन-पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को डीआईजी व एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर ने संकल्प दिलाया कि छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने, अपने परिवार में हर्षोल्लास रखने,मन,मन, धन को सुदृढ़ बनाने,पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए सभी वर्ग के व्यक्तियों में नशापान के दुष्परिणामों को प्रचारित कर यथा संभव नशा पीड़ितों से व्यक्तिगत् सम्पर्क कर उन्हें नशामुक्ति के लिए प्रेरित करूंगा।

CMYK

AMBIKAPUR GG PAPER 14 JUNE 2025_Layout 2 6/13/2025 11:33 PM Page 7

संक्षिप्त खेल की खबरें

क्रिस गेल न्यूजीलैंड के स्टार खिलाड़ी हैं जिन्होंने विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

न्यूजीलैंड, 13 जून 2025। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज फिन एलन ने संयुक्त राज्य अमेरिका में फ्रेंचाइजी आधारित टी20 प्रतियोगिता मेजर लीग क्रिकेट 2025 के उद्घाटन मैच में कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। शुक्रवार को ओकलैंड कोलिज़ीयम में वाशिंगटन फ्रीडम के खिलाफ सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के लिए खेलते हुए, एलन ने सिर्फ 51 गेंदों पर 151 रन बनाए। 296 से अधिक की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने पांच चौके और 19 छक्के लगाए। यह वाशिंगटन फ्रीडम के गेंदबाजों के लिए एक बुरा सपना था। इस मैच में एलन ने टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने सिर्फ 49 गेंदों में यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने 34 गेंदों में शतक बनाया। यह किसी कीवी बल्लेबाज द्वारा बनाया गया सबसे तेज टी20 शतक और टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे तेज शतक है।

नेपाल और वेस्टइंडीज सितंबर में पहली द्विपक्षीय टी 20 सीरीज खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली, 13 जून 2025। नेपाल और वेस्टइंडीज सितंबर में शारजाह में तीन मैचों की टी 20 सीरीज में एक दूसरे के खिलाफ खेलने के लिए तैयार हैं, जो दोनों पक्षों के बीच पहली द्विपक्षीय सीरीज होगी। खेल तटस्थ स्थल पर खेले जाने के बावजूद, नेपाल को सीरीज का आधिकारिक मेजबान नियुक्त किया गया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के एक बयान ने इस सीरीज को ऐतिहासिक बताया और कहा कि बोर्ड की सगाई उभरते देशों में क्रिकेट के विकास का समर्थन करने और दुनिया भर के साथी क्रिकेट बोर्डों के साथ सार्थक साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए इसकी मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भारतीय बॉलिंग कोच ने टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय प्लेयर्स को खास सलाह

नई दिल्ली, 13 जून 2025। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला 20 जून को खेलेगी। टीम इंडिया की कमान युवा शुभमन गिल के हाथों में है। ऐसे में अब उनकी अगुवाई में इंग्लैंड में भारतीय टीम की अग्नि परीक्षा होगी। भारतीय टीम को इस साल टेस्ट मैच कम खेलने का मौका मिला है। इस वजह से बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल थोड़े नर्वस हैं।

मोर्कल ने बेसिक्स पर अमल करने की दी सलाह

मोर्ने मोर्कल ने कहा कि मुझे लगता है कि इंग्लैंड में निरंतरता बनाए रखना अहम है और जब हम प्रैक्टिस करते हैं तो इसमें निरंतरता होती है। हमारे खिलाड़ियों को उस प्रोसेस को ढूंढना होगा जो उनके खेल के अनुकूल हो। हमारे पास बहुत विविधता है। हमारे पास अलग-अलग कौशल वाले खिलाड़ी हैं, इसलिए वे ऐसा कर सकते हैं और साथ ही 'बेसिक्स' पर भी अच्छी तरह से अमल कर सकते हैं। हमारे पास एक शानदार टीम है। जो बेहद ऊर्जावान है और आपको इसी की जरूरत है। आपको टेस्ट सीरीज में

आत्मविश्वास के साथ उतरना होगा और टीम भावना रखनी होगी।

इस वजह से हैं नर्वस बॉलिंग कोच

मोर्ने मोर्कल ने कहा कि कुल मिलाकर मैं अभी तक की तैयारी से बहुत खुश हूं। हमने हाल में लाल गेंद से कम क्रिकेट खेली है जिससे मैं थोड़ा नर्वस था लेकिन पिछले तीन दिनों में खिलाड़ियों ने जिस तरह से अभ्यास किया उसे देखकर अच्छा लगा। अब तक के दो दिन के प्रैक्टिस में परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल थीं। यह बल्लेबाजों के लिए परीक्षा की घड़ी थी, जिससे उन्हें आगामी चुनौती के लिए तैयार होने में भी मदद मिली।

इस साल सिडनी में खेला था आखिरी टेस्ट

भारत ने आखिरी बार इस साल जनवरी की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में टेस्ट मैच खेला था। टीम के पास कप्तान और उपकप्तान नए हैं। वहीं अर्शदीप सिंह और साई सुदर्शन को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। करुण नायर की लंबे समय बाद टेस्ट में वापसी हुई हैं।

लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के लिए आसान नहीं 200 प्लस रन का टारगेट

लॉर्ड्स, 13 जून 2025। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच लॉर्ड्स में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल जारी है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के पास दूसरे दिन की समाप्ति तक 218 रन की लीड है। फिलहाल उसके पास दो विकेट शेष हैं। भले ही टारगेट के लिहाज से आपको दक्षिण अफ्रीका के लिए ये आसान-सा लक्ष्य नजर आ रहा हो, लेकिन जब बात लॉर्ड्स के मैदान की होती है, तो यहां 200 रन चेज करना आसान नहीं रहता। टेस्ट रिकॉर्ड को देखें, तो लॉर्ड्स में अब तक सिर्फ चार बार ही ऐसा हुआ, जब यहां 200 प्लस रन का सफलतापूर्वक पीछा किया गया। साल 2005 से ऐसा सिर्फ एक ही बार देखने को मिला है। मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में

212 रन पर सिमट गई। टीम के लिए स्टीव स्मिथ ने 66 रन की पारी खेली, जबकि ब्यू वेबस्टर ने 72 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से इस पारी में कगिसो रबाडा ने सर्वाधिक 5 विकेट झटके, जबकि मार्को जानसेन को तीन विकेट हाथ लगे। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीकी टीम अपनी पहली पारी में 138 रन पर ही सिमट गई। टीम के लिए डेविड बेडिंघम ने सबसे ज्यादा 45 रन बनाए, जबकि सात बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस इस पारी में दक्षिण अफ्रीकी टीम पर कहर बनकर टूटे, जिन्होंने 18.1 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें सिर्फ 28 रन देकर छह विकेट हासिल किए। ऑस्ट्रेलिया के पास पहली पारी के आधार पर 74 रन की बढ़त थी। लॉर्ड्स के इस ऐतिहासिक मैदान पर अपनी दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 40 ओवरों के खेल तक 8 विकेट गंवाकर 144 रन बना लिए। इस पारी में ऑस्ट्रेलिया के लिए एलेक्स कैरी ने 43 रन बनाए, जबकि मार्नस लाबुशेन सलामी बल्लेबाज के तौर पर 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे। दूसरे दिन के खेल तक कगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी तीन-तीन विकेट अपने नाम कर चुके हैं। पहला डब्ल्यूटीसी खिताब न्यूजीलैंड की टीम अपने नाम कर चुकी है, जबकि दूसरी बार ऑस्ट्रेलिया ने टाइटल अपने नाम किया था। ऐसे में इस बार दक्षिण अफ्रीका के पास पहली बार खिताब जीतने का गोल्डन चांस है।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को लगातार तीसरी बार हराया

एंटवर्प, 13 जून 2025। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 3-2 से शिकस्त देकर यूरोप दौरे में अपना लगातार तीसरा गेम जीत लिया है। हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले गए इस मुकाबले में भारत की ओर से सोनम (4'), लालथंतलुंगी (32') और कनिका सिवाच (51') ने गोल दागे, जबकि बेल्जियम के लिए मैरी गोएन्स (37') और मार्टे मैरी (40') ने गोल किए। भारत ने खेल में शुरुआती बढ़त हासिल कर ली थी। मुकाबले के चौथे मिनट में सोनम ने फील्ड गोल करके स्कोरिंग शुरू कर दी। भारत ने पहले हाफ में अपनी बढ़त बनाए रखी और फिर 32वें मिनट में लालथंतलुंगी के पेनाल्टी कॉर्नर गोल से तीसरे क्वार्टर में इस लीड को 2-0 से मजबूत कर दिया। इसके बाद बेल्जियम ने तुरंत जवाबी हमला करते हुए 37 वें और 40वें मिनट में लगातार दो गोल करके खेल को 2-2 से बराबरी पर ला दिया। मैरी गोएन्स ने पेनाल्टी स्ट्रोक के जरिए टीम के लिए पहला गोल किया, इसके बाद मार्टे मैरी ने फील्ड गोल दागा। चौथे क्वार्टर खत्म होने में सिर्फ नौ मिनट ही बचे थे, तभी कनिका ने पेनाल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदलकर भारत को 3-2 से लीड में ला दिया, जिसने भारत को अपने यूरोपीय दौरे में जीत की लय बनाए रखने में मदद की। भारत ने दौरे के शुरुआती गेम में 3-2 से बेल्जियम को हराया था। अगले मैच में उसने बेल्जियम के खिलाफ 2-1 से एक और करीबी जीत दर्ज की थी। बेल्जियम पर लगातार तीन जीत के बाद अब भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अपने यूरोप दौरे में 14 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी।

हुलेनकोर्ट में दीक्षा डागर ने ईवन पार राउंड के साथ मामूली शुरुआत की

वालून ब्रेबेंट, 13 जून 2025। हुलेनकोर्ट महिला ओपन में इस सप्ताह भाग लेने वाली सात भारतीयों में से एक दीक्षा डागर ने इवेंट के पहले राउंड में मामूली ईवन पार 72 के साथ शुरुआत की, एक विज्ञप्ति में कहा गया। दीक्षा, जो इस सीजन में शानदार फॉर्म में हैं और लेडीज यूरोपियन टूर के ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष-10 में हैं, ने अपने राउंड में तीन बर्डी और तीन बोगी की। उन्होंने बैक नाइन से शुरुआत की और 14 वें होल पर बोगी की, लेकिन 16वें और 18वें होल पर बर्डी के साथ वन-अंडर में बदल गईं। दूसरे होल पर बोगी और तीसरे होल पर बर्डी का मतलब था कि वह अभी भी अंडर पार थीं। सातवें होल पर बोगी, जो उनका 16 वां होल था, ने उन्हें ईवन पार पर समाप्त किया। रूकी अवनी प्रशांत सात होल में 1-अंडर पर थीं, जबकि इस सीजन में अपना पहला एलईटी इवेंट खेल रही अमनदीप ड्राल और अपना दूसरा इवेंट खेल रही स्नेहा सिंह ने 2-ओवर 74 का स्कोर बनाया और वे टी-67 वें स्थान पर रहीं, हालांकि राउंड अभी भी जारी रहने के कारण स्थिति बदल सकती है। त्वेसा मलिक ने 76 और वाणी कपूर ने 106 का स्कोर बनाया, जबकि हिताशी बख्शी ने 79 का स्कोर किया और वे टी-128 पर रहीं। तीनों को दूसरे दिन बहुत कम राउंड की आवश्यकता होगी। इस क्षेत्र में सबसे आगे ऑस्ट्रेलिया की केल्सी बेनेट (67) रहीं, जिन्होंने चौथे होल में अपने राउंड के अंत में दो बोगी और डबल बोगी के साथ नौ बर्डी बनाई, जो 13वां होल था। उन्होंने दसवें होल में पहले चार होल में तीन बर्डी के साथ शुरुआत की और अंतिम तीन होल में तीन बर्डी के साथ समाप्त किया।

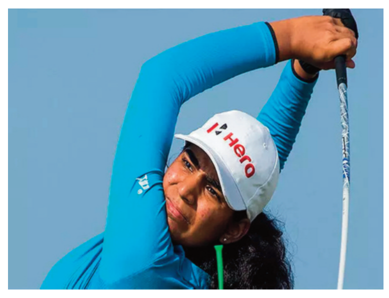

करुण नायर दोनों हाथों से अवसर को भुनाने के लिए हैं उत्साहित

नई दिल्ली, 13 जून 2025। आठ साल के अंतराल के बाद लाल गेंद की टीम में वापसी कर रहे भारतीय बल्लेबाज करुण नायर 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में इस अवसर का पूरा फायदा उठाने के लिए उत्साहित हैं नायर शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कैंटरबरी में पहले अनौपचारिक टेस्ट में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दोहरा शतक लगाया। हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल 2025 सीजन में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए आठ मैच खेले और एक अर्धशतक सहित 198 रन बनाए। 33 वर्षीय करुण नायर ने 2016 में मोहाली में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और चेन्नई में अपने तीसरे टेस्ट में नाबाद 303 रन बनाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। हालांकि, उस ऐतिहासिक पारी के बाद उन्होंने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केवल तीन घरेलू टेस्ट खेले और लगातार कम स्कोर के कारण टीम से बाहर कर दिए गए दाएं हाथ के बल्लेबाज ने भारतीय टीम में वापसी की उम्मीद कभी नहीं खोई। 2023 में कर्नाटक से विदर्भ में अपना बेस बदलने के बाद, उन्होंने 10 खेलों में 690 रन बनाए और इसके बाद 2024 में नौ रणजी ट्रॉफी खेलों में 863 रन बनाए, जिसमें चार शतक शामिल थे, जिसमें फाइनल में एक शतक भी शामिल था, जिसने विदर्भ को ट्रॉफी जीतने का रास्ता दिखाया। नायर ने विजय हजारे ट्रॉफी में भी पावर-हिटिंग के संकेत दिए, जिसमें उन्होंने पाँच शतकों सहित केवल आठ पारियों में 779 रन बनाए, जिसके कारण दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 2024 आईपीएल मेगा नीलामी में 50 लाख रुपये में चुना। नायर ने सोशल मीडिया पर बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, यह अवसर फिर से पाकर बहुत खास, बहुत आभारी और बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूँ और वास्तव में इस अवसर को दोनों हाथों से पकड़ने के लिए उत्सुक और उत्साहित हूँ।

सिफ्ट कौर समरा ने महिलाओं की 3 पी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता

म्यूनिख, 13 जून 2025। विश्व रिकॉर्ड धारक सिफ्ट कौर समरा ने म्यूनिख में अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आई एस एस एफ) विश्व कप (राइफल/पिस्टल) के तीसरे दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3 पी) में कांस्य पदक जीता, जिससे भारत को प्रतियोगिता में दूसरा पदक मिला। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी ने ओलंपिक शूटिंग रेंज में फाइनल में 453.1 अंक हासिल किए, जिससे वह स्विट्जरलैंड की एमिली जैगी से पीछे रह गईं, जिन्होंने 464.8 अंक के साथ रजत पदक जीता। नॉर्वे की दिग्गज खिलाड़ी जीनेट हेग ड्यूस्टैड ने 466.9 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। भारत के पास अब प्रतियोगिता से दो कांस्य पदक हैं।

हीर एक्सप्रेस में दिविता जुनेजा निभाएंगी हीर का दमदार किरदार

मनोरंजन की दुनिया में एक और नई कहानी दस्तक देने जा रही है हीर एक्सप्रेस। यह सीरीज़ सिर्फ एक साधारण प्रेम-कहानी नहीं, बल्कि रिश्तों की गहराई, पारिवारिक मूल्यों और आत्म-खोज की एक दिल को छू लेने वाली यात्रा है। शो की मुख्य भूमिका में नज़र आएंगी प्रतिभाशाली अभिनेत्री दिविता जुनेजा, जो 'हीर' के किरदार में दर्शकों के दिलों पर छा जाने को तैयार हैं। हीर एक्सप्रेस का कथानक एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो अपने परिवार के लिए त्याग और संघर्ष करते हुए अपनी पहचान बनाने की जद्दोजहद करती है। इसमें न केवल उसकी आत्म-यात्रा दिखाई गई है, बल्कि उसके जीवन में आने वाले प्यार और उससे जुड़ी उलझनों को भी बड़े ही संवेदनशील तरीके से बुना गया है। दिविता जुनेजा इस शो के जरिए पहली बार किसी ऐसी भूमिका में नज़र आएंगी जो भावनात्मक रूप से बेहद गहराई लिए हुए है। उन्होंने इस किरदार के लिए खास तैयारी की है और दर्शक उनकी सादगी, दृढ़ता और संवेदनशीलता को देखकर जरूर जुड़ाव महसूस करेंगे।

काफी महंगा पड़ा था संजय कपूर को करिश्मा से तलाक

उछला था हनीमून कांड, चुकानी पड़ी थी मोटी कीमत

बॉलीवुड अभिनेत्री करिश्मा कपूर के पूर्व पति और प्रसिद्ध व्यवसायी संजय कपूर का 12 जून 2025 को यूनाइटेड किंगडम में दिल का दौरा पड़ने से 53 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर सामने आते ही एक बार फिर उनका निजी जीवन, खासकर करिश्मा कपूर के साथ उनका विवादित वैवाहिक संबंध चर्चा में आ गया है। 29 सितंबर 2003 को करिश्मा कपूर ने उद्योगपति संजय कपूर से मुंबई के कृष्णा राज बंगले में पारंपरिक सिख रीति-रिवाजों से शादी की थी। यह एक अरेंज मैरिज थी, लेकिन शुरुआत में यह जोड़ी बॉलीवुड और बिजनेस वर्ल्ड की 'परफेक्ट कपल' मानी गई। साल 2005 में बेटी समायरा और साल 2010 में बेटे कियान के जन्म के साथ उनका परिवार पूरा हुआ।

शादी से तलाक, रिश्ते में दरार और आरोप

हालांकि इस रिश्ते की नींव जल्द ही डगमगाने लगी। करिश्मा कपूर ने साल 2014 में तलाक की अर्जी दी और साल 2016 में दोनों औपचारिक रूप से अलग हो गए। करिश्मा कपूर ने तलाक याचिका में घरेलू हिंसा और मानसिक उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने आरोप लगाया था कि हनीमून के दौरान संजय ने उन्हें अपने दोस्तों के साथ सोने के लिए मजबूर करने की कोशिश की और जब उन्होंने विरोध किया तो उनके साथ मारपीट की गई। इसके अलावा उन्होंने यह भी दावा किया कि गर्भावस्था के दौरान, जब वे संजय कपूर की मां द्वारा दी गई एक ड्रेस में फिट नहीं हो पाईं तो संजय की मां ने अपने बेटे से उन्हें थप्पड़ मारने के लिए कहा और संजय ने ऐसा किया भी।

कपूर परिवार की प्रतिक्रिया

तलाक के बाद करिश्मा के पिता दिग्गज अभिनेता रणधीर कपूर ने संजय को लेकर कड़ा बयान दिया था। उन्होंने संजय को थर्ड क्लास आदमी बताया और कहा, हम कपूर हैं, हमें किसी के पैसे की जरूरत नहीं। हमारे पास प्रतिभा भी है और संसाधन भी।

गुजारा भत्ता और कानूनी लड़ाई

तलाक के बाद यह चर्चा का विषय बन गया कि करिश्मा को गुजारा भत्ते के रूप में क्या मिला। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार संजय ने करिश्मा को उनके सभी विवाहिक गहनों के साथ-साथ अपने पिता की खार स्थित प्रॉपर्टी उनके नाम कर दी। साथ ही उन्होंने बच्चों के लिए 14 करोड़ रुपये के बॉन्ड भी खरीदे, जिससे हर महीने लगभग 10 लाख रुपये ब्याज के रूप में करिश्मा को मिलता है। संजय और करिश्मा के बीच बच्चों की कस्टडी को लेकर कानूनी लड़ाई भी काफी लंबी और थकाऊ रही। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह लड़ाई कोर्ट तक पहुंच गई और दोनों पक्षों के बीच काफी बहस हुई। आखिर में करिश्मा को समायरा और कियान की कस्टडी मिली, जबकि कोर्ट ने संजय को बच्चों से मिलने और समय बिताने का अधिकार भी दिया।

पिता के तौर पर संजय की भूमिका

तलाक के बाद भी संजय कपूर ने अपने बच्चों से रिश्ता बनाए रखा। वे कई बार समायरा और कियान के साथ सार्वजनिक कार्यक्रमों और खास मौकों पर नजर आए। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपने बच्चों के लिए भावुक पोस्ट साझा किए, जिससे यह साफ था कि वे एक संवेदनशील पिता थे। संजय कपूर का निधन उनके परिवार, दोस्तों और बच्चों के लिए गहरा आघात है।

रुबीना दिलाइक ने दिखाया क्लासी अंदाज

रुबीना दिलाइक, जो लाफ्टर शेफ्स-अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट सीजन 2 की प्रतियोगियों में से एक हैं, जब भी उन्हें सेट के बाहर देखा जाता है, एक के बाद एक लुक में अपने फैशन के सार्टोरियल सेंस को दिखाती रहती हैं। जैसे ही अभिनेत्री को लोकप्रिय कुकिंग रियलिटी शो के सेट के बाहर देखा गया, वह एक साटन की साड़ी में खूबसूरत लग रही थीं, जिसके चारों ओर काले रंग के एब्सट्रैक्ट प्रिंट थे। अपने स्टाइल सेंस के लिए जानी जाने वाली दिलाइक ने अपने लुक को छह गज की शान के बेज रंगों के पूरक के रूप में एक चमकदार ब्लाउज के साथ जोड़ा। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में रुबीना दिलाइक वहां तैनात पैपराज़ी के साथ शान से बातचीत करती नजर आईं। और जैसे ही वह सेट की ओर चलीं, दिवा अपने दिन के पहनावे में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। ऑफ-शोल्डर ब्लाउज के साथ उनकी साड़ी के बॉर्डर पर स्टोन ड्रॉप्स से सजे लंबे पल्लू ने उन्हें बेहद खूबसूरत बना दिया हल्के मेकअप, जिसमें पीच लिप टिंट और एक छोटी सी बिंदी के साथ एक फ्रेश लुक के लिए उनके गालों पर ब्लश की एक डॉल शामिल है, ने उनके आकर्षण में चार चांद लगा दिए। अंत में, उन्होंने साइड-पार्टेड ओपन हेयरस्टाइल और कंधों पर सॉफ्ट कर्ल्स के साथ दिन के लिए डील को सील कर दिया। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के तुरंत बाद, उनके प्रशंसकों ने कमेंट सेक्शन में दिवा के शानदार रूप की प्रशंसा की। रुबीना और उनकी सह-प्रतियोगी अपने प्रशंसकों को उनके मजेदार कुकिंग सेशन के दौरान नोक-झोंक और मज़ाक से लोटपोट कर रही हैं। शो के निर्माताओं द्वारा साझा किए गए नवीनतम प्रोमो वीडियो में, कलर टीवी के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल, कृष्णा अभिषेक को अभिनेत्री के वन-लाइनर्स के बारे में मज़ाक करते देखा जा सकता है। वीडियो में, हम कृष्णा को रुबीना के साथ एक मजेदार परिचय सत्र के साथ अपने मेहमान बॉटल बाबा का स्वागत करते हुए देख सकते हैं। कॉमेडियन ने खुलासा किया कि प्रतियोगियों में एक व्यक्ति बिल्कुल उनके जैसा है और रुबीना की ओर इशारा करते हुए आगे कहते हैं, आप बॉटल बाबा हो और हमारे पास डू नॉट टच माता है। इसके बाद अभिनेत्री उनकी मेहमान की तरह हर चीज की नकल करती है, जिससे कृष्णा अपनी बेटियों के बारे में बात करने लगते हैं, जो अपने माता-पिता के साथ उनके गृहनगर हिमाचल प्रदेश में रहती हैं। वह मजाक करते हैं, आपकी बेटियों ने आपका ये रूप देखा तो वो भी पढ़ाओ पे जा रही हैं और यह सुनकर वहां मौजूद सभी लोग हंसने लगते हैं। वीडियो को कैप्शन दिया गया था, बॉटल बाबा और डोंट टच माता के बीच हुई टक्कर, अब नहीं रुकेगा ये एंटरटेनमेंट का चक्कर।

C M Y K

AMBIKAPUR GG PAPER 14 JUNE 2025_Layout 2 6/13/2025 11:33 PM Page 8

अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर छत्तीसगढ़ डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने जताया शोक

बोले...यह सीखने का विषय है कि यह क्यों हुआ

रायपुर,13 जून 2025 (ए)। गुजरात के अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का एक विमान क्रैश हो गया था। इस हादसे पर छत्तीसगढ़ के डेप्युटी सीएम विजय शर्मा ने दुख जताया है। विजय शर्मा ने कहा, भगवान मृतकों के परिवारों को शक्ति प्रदान करें...। मुझे बहुत दुख है कि विजय रूपाणी अब नहीं रहे। यह सीखने का विषय है कि यह सब क्यों हुआ। इस हादसे में प्लेन में सवार 241 लोगों की जान चली गई। वहीं,क्रैश होने वाली जगह पर मौजूद कई लोगों की भी जान गई है।

मेडिकल कॉलेज हॉस्टल में गिरा प्लेन

एयर इंडिया की लंदन जाने वाली फ्लाइट अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने के तुरंत बाद पास के मेघानीनगर के एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। विमान को कैप्टन सुमीत सभरवाल उड़ा रहे थे। वह एक लाइन ट्रेनिंग कैप्टन भी थे। उनके पास 8,200 घंटे का उड़ान का अनुभव था। उनके सहायक फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर थे, जिनके पास 1,100 घंटे का उड़ान का अनुभव था।

पायलट ने किया था मेडे कॉल

एयर ट्रैफिक कंट्रोल के अनुसार, विमान ने अहमदाबाद से 1 बजकर 39 मिनट पर रनवे 23 से उड़ान भरी। विमान के पायलट ने एटीसी को तीन बार मेडे कॉल किया। लेकिन इसके बाद एटीसी की किए गए कॉल का जवाब नहीं दिया। मेडे कॉल का मतलब है कि विमान को गंभीर खतरा है और उसे तुरंत मदद की जरूरत है।

एएआईबी ने शुरू की जांच

विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो भारत में विमान दुर्घटनाओं की जांच करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय का एक विभाग है। एएआईबी ने एयर इंडिया की फ्लाइट 171 की घातक दुर्घटना की औपचारिक जांच शुरू कर दी है। इस हादसे में विमान में सवार 241 लोगों की मौत हो गई थी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की।

पुलिस की डिक्शनरी में होगा बदलाव

अब उर्दू-फारसी के खयानत-तामील जैसे हटेंगे 108 शब्द, गृहमंत्री शर्मा ने कहा...आम जनता की समझ के लिए कठिन शब्दों की जगह उपयोग होगी सरल हिंदी

रायपुर,13 जून 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने पुलिस व्यवस्था को आम जनता के लिए और अधिक सहज और पारदर्शी बनाने की दिशा में एक अहम निर्णय लिया है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा के निर्देश के बाद अब पुलिस की कार्यप्रणाली में प्रयुक्त कठिन उर्दू-फारसी शब्दों को हटाकर उनकी जगह पर सरल और प्रचलित हिंदी शब्दों का प्रयोग किया जाएगा।

पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा की प्राॅपर्टी,सुकमा का कांग्रेस भवन अटैच

रायपुर,13 जून 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला केस में ईडी ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व मंत्री कवासी लखमा की संपत्ति अटैच कर ली है। यही नहीं, सुकमा के कांग्रेस भवन को भी अटैच कर दिया है। बता दें कि करीब 22 सौ करोड़ के आबकारी घोटाला केस की ईडी जांच कर रही है। ईडी ने पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को पहले ही गिरफ्तार किया था। वो पिछले 16 जनवरी से जेल में हैं। जानकारी के अनुसार ईडी ने जांच-पड़ताल के बाद कवासी लखमा की सुकमा और अन्य जगहों पर करीब 6 करोड़ की संपत्ति अटैच कर दी है। इनमें कवासी लखमा की धरमपुरा स्थित मकान के अलावा उनके पुत्र हरीश लखमा की सुकमा की प्रापर्टी भी शामिल है। बता दें कि ईओडब्ल्यू ने पूर्व सीएम भूपेश बघेल के करीबी कारोबारी विजय भाटिया को गिरफ्तार किया हुआ है। भाटिया जेल में हैं। चर्चा है कि भाटिया से ईडी भी पूछताछ कर चुकी है। जांच एजेंसी ने सुकमा के कांग्रेस भवन को भी अटैच कर दिया है। जांच एजेंसी ने कवासी और अन्य लोगों से पूछताछ के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि सुकमा के कांग्रेस भवन बनाने में आबकारी घोटाले का पैसा इस्तेमाल किया गया है। इसको लेकर कुछ वाट्सऐप चैट भी मिले हैं। ईडी ने प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गेंदू से भी पूछताछ की थी।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

विवादास्पद मामले को लेकर विधायक पर एफआई दर्ज

जांजगीर चांपा,13 जून 2025 (ए)। जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। इस बार मामला उनके पड़ोसी चंद्रशेखर राठौर से हुए झगड़े का है, जिसमें दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट, गाली-

गलौच और धमकी देने के आरोप लगाए हैं। चांपा थाने में विधायक के खिलाफ उनके पड़ोसी ने शिकायत की है कि, उन्हें गोली मारने की धमकी दी गई है। एसी की आउटडोर यूनिट हटाने को लेकर ये विवाद हुआ है। हालांकि विधायक ने भी पड़ोसी के खिलाफ काउंटर केस कराया है।

बैडमिंटन खेलते अचानक चक्कर खाकर गिर पड़े विधायक,अस्पताल में हुए भर्ती

दुर्ग,13 जून 2025 (ए)। दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव आज सुबह बैडमिंटन खेलते समय घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज

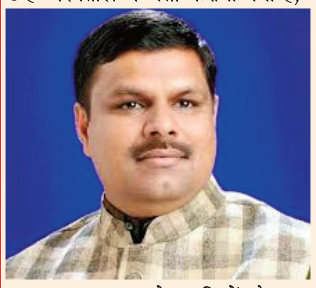

जारी है। फिलहाल वे डॉक्टरों की निगरानी में हैं। जानकारी के मुताबिक,दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव रोज की तरह सुबह उठकर अपने साथियों के साथ घर के सामने बैडमिंटन खेल रहे थे। इसी दौरान अचानक चक्कर खाकर गिर पड़े। इसके बाद उन्हें दुर्ग के आरोग्यम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

जिला शिक्षा अधिकारी का निलंबन आदेश जारी

सारंगढ़,13 जून 2025 (ए)। शिक्षा अधिकारियों पर कार्रवाई जारी है। अब तक पांच विकासखंड शिक्षा अधिकारियों के निलंबन के बाद राज्य शासन ने आज

जिला शिक्षा अधिकारी को निलंबित कर दिया है। सारंगढ़ बिलाईगढ़ के डीईओ एलपी पटेल का सस्पेंशन आर्डर जारी कर दिया गया है। उनके खिलाफ बड़ी शिकायत मिली थी, जिसके बाद राज्य सरकार ने ये कार्रवाई की है। डीईओ एलपी पटेल पर आरोप है कि उन्होंने परीक्षा के लिए बनाये गये उड़नदस्ता में बिना कलेक्टर के अनुमोदन के ही परिवर्तन किया था।

तीन तलाक बोलकर पत्नी को घर से निकाला

बिलासपुर,13 जून 2025 (ए)। बीवी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने के बाद शौहर ने तीन बार

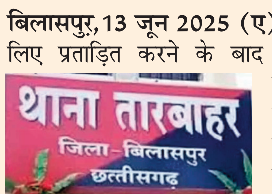

तलाक,तलाक,तलाक कहकर उसे घर से बाहर निकाल दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने शौहर सहित अन्य के खिलाफ मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण एक्ट, दहेज प्रताड़ना व अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है।

विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनाव सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा करने राज्यपाल बुलाएंगे शीघ्र कुलपतियों की बैठक

समय पर परीक्षा परिणाम उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन शैक्षणिक कैलेंडर का पालन करने का देंगे निर्देश

रायपुर,13 जून 2025 (ए)। प्रदेश के राज्यपाल एवं समस्त विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति रमेन डेका विश्व विद्यालय के अंतर्गत आने वाले महाविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव, समय पर परीक्षा परिणाम एवं शैक्षणिक कैलेंडर लागू करने के लिए एकेडमी कौंसिल की बैठक अगले महीने बुलाने पर विचार कर रहे हैं।

राजभवन से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में कुल 13 विवि है। जिनमें सात शासकीय एवं 6 निजी विवि है। उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से राज्यपाल के द्वारा विवि का प्रशासन का संचालन किया जाता है। राज्य में कोरोना संकटकाल में सेमेस्टर का टाइमटेबल गड़बड़ा गया था अब नई शिक्षा नीति के तहत सभी कोर्स की अवधि बढ़ा दी गई है। एकेडमी कौंसिल की बैठक के लिए अभी तिथि निर्धारित नहीं की गई है लेकिन राज्य में शीघ्र ही यह बैठक बुलाई जाएगी जिसमें सभी विवि के कुलपतियों से रायशुमारी की जाएगी।

कुलपति छात्रसंघ चुनाव कराने के पक्ष में नहीं

प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव कराने को लेकर अलग अलग दलों के अलग अलग विचार है इसलिए यहां पर कुलपतियों से रायशुमारी ली जाती है अधिकांश कुलपति छात्रसंघ चुनाव के पक्ष में नहीं है उनका कहना है कि इससे कालेज में गुंडागर्दी और अनुशासनहीनता बढ़ती है। एकेडमी कौंसिल की बैठक का प्रस्ताव अभी नहीं बना है। लेकिन सूत्रों के अनुसार विवि प्रशासन को समय पर उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने समय पर परीक्षा परिणाम घोषित करने तथा अन्य विषयों पर दिशा निर्देश दिये जाएंगे। राजभवन के अनुसार राज्यपाल असम के निजी दौरे पर गये हुए हैं। वहां से लौटने के बाद एकेडमी कौंसिल की बैठक तय किये जाने की संभावना है। महाविद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव आयुक्त विवि के कुलपति तथा रजिस्टार को बुलाया जाएगा।

कोंटा आईईडी ब्लास्ट की जांच एसआईए को सौंपी गई

सुकमा,13 जून 2025 (ए)। जिले के कोंटा डिवीजन में 9 जून को प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से एएसपी आकाश राव की शहीद हो गए थे। राज्य सरकार ने अब इस मामले की जांच स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी को सौंपी है। इस टीम में एसपी, एएसपी, टीआईऔर एसआई सहित कुल 6 पुलिसकर्मी होंगे। एसपी नीरज चंद्राकर टीम को लीड करेंगे। इस संबंध में पुलिस विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार ये टीम अगले दो दिनों में सुकमा के लिए रवाना होगी और घटनास्थल पर पहुंचकर सबूत जुटाएगी। इसके साथ आईईडी ब्लास्ट करने वाले नक्सलियों का पता लगाकर गिरफ्तारी करेगी।

बर्खास्त बीएडधारी शिक्षकों को राहत

समायोजन के लिए 17 जून से ओपन काउंसिलिंग शुरू..

रायपुर,13 जून 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ के 2621 बर्खास्त बीएडधारी सहायक शिक्षकों के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने बड़ी राहत दी है। इन शिक्षकों के समायोजन के लिए शासन ने आदेश जारी कर दिया है, और 17 से 26 जून तक रायपुर के शंकर नगर स्थित एससीईआरटी परिसर में ओपन काउंसिलिंग का आयोजन होगा। काउंसिलिंग के बाद अभ्यर्थियों को उनके द्वारा चुने गए स्कूलों में सहायक शिक्षक (विज्ञान) पद पर नियुक्ति पत्र जारी किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने समायोजन के लिए राज्य के 29 जिलों में 2621 रिक्त पदों को चिह्नित किया है। काउंसिलिंग प्रक्रिया को व्यवस्थित करने के लिए इसे दो पालियों में आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक पाली में 150-150 अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा, यानी प्रतिदिन कुल 300 अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग होगी। यह प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सुव्यवस्थित होगी, ताकि सभी अभ्यर्थियों को उचित अवसर मिले।

काउंसिलिंग में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सूची स्कूल शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट एचटी टीपीएस // ईडुपोर्टल .सीजी. एनआईसी .आईएन पर उपलब्ध है। उप संचालक,लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी अभ्यर्थियों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर आवश्यक दस्तावेजों, जैसे शैक्षणिक प्रमाण पत्र, पहचान पत्र, और अन्य संबंधित दस्तावेजों के साथ काउंसिलिंग स्थल पर उपस्थित हों। किसी भी दस्तावेज की कमी से प्रक्रिया में विलंब हो सकता है।.

छत्तीसगढ़ में फिर से शुरू होगी चरण पादुका योजना

जून के अंत में सीएम विष्णुदेव साय करेंगे शुभारंभ

रायपुर,13 जून 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार राज्य के तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आ रही है। चरण पादुका योजना को एक बार फिर से शुरू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय इस योजना का औपचारिक शुभारंभ जून के अंत में करेंगे। यह योजना केंद्र सरकार की 'मोदी की गारंटी' के तहत प्रदेश की जनता से किए गए वादों में शामिल थी।

कांग्रेस सरकार ने किया था बंद, भाजपा ने किया पुनर्जीवित

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की सरकार ने इस योजना की शुरुआत वर्ष 2005 में की थी, लेकिन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में इसे बंद कर दिया गया था। अब एक बार फिर भाजपा की सरकार बनने के बाद योजना को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया गया है। वन मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि तेंदूपत्ता संग्राहकों की सुविधा और सम्मान के लिए यह योजना फिर से चालू की जा रही है।

क्या है चरण पादुका योजना?

चरण पादुका योजना का उद्देश्य है तेंदूपत्ता संग्राहकों विशेषकर आदिवासी समुदायों को कार्य के दौरान सुरक्षा और सुविधा देना। इस योजना के तहत हर वर्ष तेंदूपत्ता एकत्र करने वाले श्रमिकों को जूते (चप्पल) प्रदान किए जाते हैं।

शुरुआत में (2005) यह लाभ केवल पुरुष संग्राहकों को दिया जाता था, लेकिन 2008 में महिलाओं को भी योजना में शामिल कर लिया गया।

साय सरकार की अभिनव पहल: डिजीलॉकर के माध्यम से लाखों पेंशनरों को बड़ी राहत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य के वित्त विभाग एवं पेंशन संचालनालय द्वारा डिजीलॉकर प्लेटफॉर्म के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक पेंशन भुगतान आदेश और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की डिजिटल उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। यह पहल राज्य सरकार के डिजिटलीकरण संकल्प की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। राज्य के लगभग 3.61 लाख सरकारी कर्मचारी और 1.50 लाख पेंशनभोगी अब डिजीलॉकर के माध्यम से अपने जीपीएफ स्टेटमेंट,अंतिम भुगतान आदेश, पेंशन प्रमाण पत्र और पेंशन भुगतान आदेश जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को कहीं से भी, कभी भी, सुरक्षित एवं प्रमाणिक रूप में प्राप्त कर सकते हैं. इस सुविधा से दस्तावेजों की फिजिकल प्रतियों पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी और कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर लगाने से भी राहत मिलेगी, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी।

बस्तर में नक्सलियों को लगा बड़ा झटका

प्रेस नोट जारी कर सेंट्रल मेंबर समेत 7 माओवादियों के मारे जाने की स्वीकारी बात

बस्तर,13 जून 2025 (ए)। सुरक्षाबलों द्वारा हाल ही में इंद्रावती टाइगर रिजर्व क्षेत्र में चलाए गए ऑपरेशन के बाद नक्सल मोर्चे पर बड़ी सफलता हाथ लगी है। माओवादी संगठन की पश्चिम बस्तर डिवीजन कमेटी ने खुद प्रेस नोट जारी कर 7 माओवादियों के मारे जाने की पुष्टि की है। इसमें संगठन के शीर्ष स्तर के दो बड़े नाम – सेंट्रल कमेटी मेंबर गौतम उर्फ सुधाकर और तेलंगाना स्टेट कमेटी सदस्य भास्कर शामिल हैं। बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में 5, 6 और 7 जून को अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने सात माओवादियों को ढेर किया था। यह ऑपरेशन तीन दिन तक चला और इसमें फोर्स को बड़े कैडर के माओवादियों को मार गिराने में सफलता मिली थी।

नान घोटाले की तर्ज पर मुंगेली में हो रहा बड़ा खेल

चावल शॉर्टेज का खेल खेलने वाले पीडीएस दुकानों के नाम सार्वजनिक करने से अधिकारियों को परहेज

मुंगेली,13 जून 2025 (ए)। जनवरी 2025 में कराए गए भौतिक सत्यापन में मुंगेली जिले की 80 पीडीएस दुकानों में 12,000 क्विंटल चावल का अंतर सामने आया। शॉर्टेज मिलने के बाद विभाग ने 80 दुकानों को नोटिस तो भेजे, प्रकरण एसडीएम न्यायालय में भी भेजे गए,मगर 6 महीने बीतने के बावजूद ना कोई रिकवरी,ना किसी संचालक

पर कार्रवाई है। ऐसे में बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। इस पूरे मामले में बड़ी बात यह है कि जिन 80 दुकानों में चावल की गड़बड़ी पाई गई, नाम सार्वजनिक नहीं किया गया. इससे पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं। अगर गड़बड़ी उजागर हो गई है तो संबंधित संचालकों के नाम छिपाने की क्या वजह है?यह भी विचारणीय प्रश्न है।इस तरह की गड़बड़ियां हर साल सामने आती हैं, मगर कार्रवाई के नाम पर महज़ खानापूर्ति होती है।

हनीट्रैप कर युवक का अपहरण

» 17 लाख की फिरौती की मांग

» पुलिस ने किया सफल गिरफ्तारी

जांजगीर,13 जून 2025 (ए)। जांजगीर जिले के सिटी कोतवाली क्षेत्र में एक सनसनीखेज अपहरण का मामला सामने आया है। लक्ष्मणपुर गांव के युवक बुधराम साहू को एक लड़की के जरिए हनीट्रैप में फंसाकर अगवा किया गया और उसके पिता से 17 लाख रुपये की भारी रकम की फिरौती मांगी गई। अपराधियों ने इस पूरे घटनाक्रम को फिल्मी अंदाज में अंजाम दिया, लेकिन पुलिस की तीव्र कार्रवाई और रणनीति के चलते आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया। जानकारी के अनुसार, आरोपी युवती आयशा बेगम ने वॉट्सऐप पर युवक से संपर्क स्थापित किया और उसे बहला-फुसलाकर बुलाया। इसके बाद उसे अगवा कर लिया गया। फिर अपहरणकर्ताओं ने युवक के पिता को फोन कर 17 लाख रुपये की मांग की। फिरौती लेने के लिए आरोपियों ने रास्ते-रास्ते फोन पर लोकेशन बताकर पैसे कहां और कैसे रखे जाएं, इसकी निर्देश दिए। इस मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने पूरी रात सतर्कता बरती और तड़के लगभग 4 से 5 बजे के बीच लक्ष्मणपुर के पास एक खेत में घेराबंदी कर आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अभय कुमार सूर्यवंशी और युवती आयशा बेगम शामिल हैं, जबकि एक अन्य आरोपी अभी फरार है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)